

सभी खुशियों
का आधार
स्वास्थ्य है।

संक्षिप्त खबरें

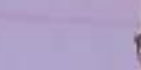
है। बीते महीने युवा नेता उस्मान हादी की मौत के बाद शुरू हुई हिंसा में बुधवार को हिंदू शख्स पर हमले का चौथा मामला सामने आया है। बुधवार रात को हिंदू

इस वर्ष अधिकमास — 13 म

जनून से सशक्त होगा ग्राम स्वराज : हेमंत

मिट्टी की हर कण में आदिवासियों और मूलनिवासियों के संघर्ष की गाथा समाई हुई है। इसी गाँववाली परंपरा को म्यान करते हुए मुख्यमंत्री ने खरसावां गैलीकंद की 78वीं शताब्दी दिवस पर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है कि खरसावां के वीर शहीदों के वंशजों की पहचान कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में निर्णायक कदम की घोषणा करते हुए कहा कि एक विशेष आयोग गठन किया जाएगा, जिसमें रिटायर्ड जज, स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा। यह आयोग सभी दस्तावेजों, ऐतिहासिक अभिलेखों और स्थानीय परंपराओं के आधार पर शहीद परिवारों की पहचान करेगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य उन परिवारों को उचित सम्मान, मान्यता और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करना है, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य सरकार की प्राथमिकता के रूप में रेखांकित करते हुए कहा, हमारा यह नैतिक दायित्व है कि जिनकी कुर्बानी से झारखंड की अस्तित्व और स्वतंत्र पहचान बची, उनके वंशजों को गर्व और सम्मान के साथ जेने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष तक सभी शहीद परिवारों की शिनाख्त कर समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह पहल केवल श्रद्धांजलि

जरलैंड बार में लगी आग **5 क**



झारखंड का 25वां वर्ष, विकास व सशक्तीकरण का प्रतीक

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य को बने 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं और आज यह युवा झारखंड विकास की नई राह पर अग्र बंद रही है। उन्होंने कहा, हमारा संकल्प है कि आज के बाद वषों में झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है, क्योंकि एक शिक्षित पीढ़ी ही मजबूत राज्य की नींव होती है। उन्होंने बताया कि गुरुजी फ्रेण्ड का योजना के तहत आज 15 लाख रुपये तक का ऋण 4 फीसदी ब्याज दर पर लेकर पढ़ाई कर सकते हैं, जिसकी वापसी नौकरी लगने के बाद ही करनी होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री मंडया समाना योजना को महिला सशक्तिकरण की मिसाल बताते हुए कहा कि इससे राज्य की बेटियां शिक्षित, आत्मनिर्भर और समाज में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से शहीदों के आदर्शों पर चलकर झारखंड के विकास में सश्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंत्री पदोचित बिस्वा, सांसद जगदा मोझी, विधायक दशरथ गंगराई, विधायक सुखराम उरांव, विधायक समीर मोहनती, विधायक संविता महतो, विधायक जगत मोझी एवं पदोचित विधायक लक्ष्मण दुहड़, शिक्षक अमेक जनतातिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला के आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, अमेक विभागों के पदाधिकारी तथा हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर शहीदों को नमन किया।

सिगरेट व तंबाकू उत्पादों पर बढ़ा टैक्स, 1 फरवरी से होगा लागू



हल ही में संसद द्वारा पारित 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' के माध्यम से इस बदलाव को कानूनी रूप दिया गया है। इस विधेयक का प्राथमिक उद्देश्य जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की समग्र सीमा समाप्त होने के बाद पैदा होने वाली राजस्व की कमी को पूरा करना और शुल्क ढाँचे को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

सरकार ने सिगरेट की लंबाई और उसको आधार बनाकर अतिरिक्त उत्पन्न निर्धारित किया है। नए नियमों के तहत 1,000 सिगरेट पर अतिरिक्त शुल्क 2,050 रुपये से लेकर 8,500 रुपये तक बढ़ाई गई है। यह वर्गीकरण प्रीमियम और सिगरेट के बीच कर के अंतर को स्पष्ट

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह न
शुल्क कोई स्वतंत्र टैक्स नहीं है, ब
तंबाकू उत्पादों पर पहले से लागू 4
वस्तु एवं सेवा कर के अतिरिक्त

राज्यों के साथ साझा होगा राजस्व : वित्त मंत्री

संसद में इस विषय पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया कि इस माध्यम से एकत्रित राजस्व का गया राजस्व 'विभाजित किए जाने वाले कोष' का हिस्सा बनेगा। उन्होंने कहा, उत्पाद शुल्क कोई उपकर नहीं है। एकत्रित राजस्व की 41 प्रतिशत की निर्धारित दर से राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने आज तक दिया कि जीएसटी से पहले भी तंबाकू उत्पादों पर वार्षिक आधार पर कर बढ़ाए जाते थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश महंगाई के साथ या स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण हर साल तंबाकू करों में वृद्धि करते हैं। भारत में इस वृद्धि का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू की लत से दूर रखना और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

आश्चर्य है, अधिक लोग घायल प्रत्यक्षदर्शियों स्मिटजरलेड क हुए इस भीषण शुरुआत सैंपन लगाए गए एस गवाहों ने एक बत्ताया कि न्यू ई वेट्रेस सैंपन की रही थीं, जिन प रहे थे। ये बातों करीब लाई गई, एक गवाह के दूसरे वेटर के व और उसके हाथ जलती चिंगियाय मेमोरीज टग थ

स्विट्जरलैंड बार में लगी आग
40 की जिंदा जलकर मौत,
100 से अधिक लोग घायल

की थी, इसलिए आग ने तुरंत पकड़ बना ली। कुछ ही सेकंड में लफ्टे फैल गई और पूरा हॉल धुस से भर गया। पार्टी का माहौल पलभर में अफरा-तफरी और चौपड़-पुकार में बदल गया। पुलिस ने बताया स्थानीय सम्मानानुसार यह आग तड़के करीब 1:30 बजे लगी। यह हादसा लक्की अस्पताल स्की रिसॉर्ट शहर के बीचो-बीच स्थित ले कॉन्स्टेलेशन बार में हुआ। हालांकि, जब तब राहत दल पहुंचे, तब तक आग काफी फैल चुकी थी। बार के अंदर मौजूद लोग धुंएँ और लफ्टों में फंस गए। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय बार में बड़ी संख्या में दोस्त मौजूद थे, जो नए साल का जश्न मना रहे थे।

**5 करोड़ कैश, 9 करोड़ के जेवर
व 35 करोड़ के दस्तावेज बरामद**

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने दक्षिण दिल्ली के सर्वप्रिय विहार में तलाशी अभियान चलाया था और 5.12 करोड़ रुपए नकद, 8.8 करोड़ रुपए के सोने और हीरे के गहने तथा 35 करोड़ रुपए की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज जब्त किए थे। अब केन्द्रीय जांच एजेंसी ने वेस्टएंड ग्रीन फार्मा में सुनील गुप्ता के घर और फार्माहाउस पर भी सच अभियान चलाया। वह सच अभियान 30 दिसंबर को शुरू हुआ था, जो सुनील गुप्ता के ठिकानों पर अभी भी चल रहा है। प्राप्रक्षिक जांच में पता चला है कि सुनील गुप्ता ने पहले अमन कुमार को ऋण दिया था, जो इंटरजॉस्ट सिंग का साथी है। ईडी की जांच के बाद अमन कुमार ने सुनील गुप्ता को बड़ी रकम स्थानांतरित कर अपराध की आय को छिपाने की कोशिश की थी। वेस्टएंड ग्रीन फार्मा में सुनील गुप्ता के ठिकानों से अब तक 1.22 करोड़ रुपए नकद और लुकेम 8.50 करोड़ रुपए के गहने जब्त किए जा चुके हैं। इससे पहले ईडी ने बताया कि किट इंटरजॉस्ट सिंग यादव, ज्योते सहयोगियों, अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड तथा उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं/व्यक्तियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया गया था।

अवैध वसूली का आरोप

ईडी की जांच के अनुसार, इंटरजॉस्ट सिंग यादव पर अवैध वसूली, निजी फाइनेंसर्स से जब्तन ऋण निपटान, हरियाणार के दम पर धमकी देने और इन गैरकानूनी गतिविधियों से कमोश कमाने के आरोप हैं। इसी सिलसिले में धन शोधन की जांच शुरू की गई थी। यह जांच हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज 15 से अधिक एफआईआर और वाष्कल चरित्रों के आधार पर, बोलू की गई है। ये मामले शरज अधिनियम 1959, शूनाएएस 2023 और भारतीय डंड संहिता 1860 की विधिनु धाराओं के तहत इंटरजॉस्ट सिंग यादव और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज हैं।

दो आतंकी सहयोगी
गिरफ्तार, 8.40 लाख

रु, गोला-बारूद जळा
गांढरबल। जम्मु-कश्मीर पुलिस ने
गुवावर को मध्य कश्मीर के गांढरबल
जिले में देश राम चलाए गए एक
अभियान के दौरान दो आतंकी
सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इनके
पास से 8.40 लाख रुपये, हथियार,
गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद
की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी
ने बताया कि विशिष्ट युक्तिमा सूचनाओं
के आधार पर गांढरबल पुलिस ने विशेष
अभियान समूह (एसओजी) के
समन्वय से गुड्डहमन अल जे के पास
नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिस दल ने
मालवाबांदी वाहन (जेके15बी-7309)
को रोका। वाहन की गहन तलाशी के
दौरान दो हथगोले, एक चीनी पिस्तौल,
एक पिस्तौल की मैगजिन, चार पिस्तौल
राउंड बरामद की गई। इसके अलावा
8,40,500 रुपये मिले। उन्होंने आगे
बताया कि जिला बांदीपेरा के हाजिन
निवासी गुलाम नबी मीर और जिला
गांढरबल के शालाबुध निवासी शबनम
नजीर को गिरफ्तार किया गया है।

अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार अधिकमास एक अतिरिक्त चंद्र माह होता है, जो हर तीन साल में

सौर कैलेंडर में जोड़ा जाता है। जिस तरह अंग्रेजी कैलेंडर में लीप ईयर होता है, उसी तरह पंचांग में अधिकमास होता है। सौर वर्ष 365 दिन और चंद्र वर्ष 364 दिनों का होता है। ज्योतिष के आधार पर तीन वर्ष में चंद्र और सूर्य वर्ष के बीच आए इन्हीं 11 दिनों के अंतर को खत्म करने के

अधिकमास का प्रभाव 19 मार्च से शुरू होगा। मकर संक्रांति 14 जनवरी को है। जनवरी में तीन को माघी पूर्णिमा, छह को गणेश चतुर्थी, 18 को मौनी अमवस्या, 23 को वसंत पंचमी, फरवरी में एक को संत रविदास जयंती, तीन को सबेरा रात, 15 को महाशिवरात्रि, 27 को रंगभरी एकादशी, 28 को मशाने की होली, मार्च में दो को होलिका दहन, चार को होली, 19 को चैत्र नवरात्र, 27 को रामनवमी, 31 को मारवाड़ी जयंती, अप्रैल जून फ्राइडे, 20 को अक्षय तृतीया, 16 को दश सावित्री व्रत, 26 को गंगा दशहरा, 28 को बकरीद, जून में 26 को मुहर्रम, अगस्त में चार को चेहल्लुम्, 17 को नागपंचमी, 26 को बरखावात, 28 को रक्षाबंधन, 31 को कजरी, सितंबर में दो को ललही छठ, चार को श्रीगणेशजन्माष्टमी, 17 को हस्तिकांता तीज, 17 को लोलाक छठ, 27 से पितृव्रत, अक्टूबर में चार को जडितिया, 29 को विजयदशमी, 29 को कर्वाचौथ, नवंबर में छह को धनसेव व नरकचतुर्दशी, आठ को दिवाली, नौ को गोवर्धन पूजा, 10 को भस्माष्टमि पड़ेगा।

ज्योतिषीय गणना में पुरुषोत्तम मास चक्र चलते रहे। इसमें हर तीसरे दो महीने का पड़ता है। अगले 11 साल यानी 2037 में दोबारा 1988, 1999, 2007, 2017 ज्येष्ठ मास दो माह का पड़ चुका। 2024 भाद्र मास, 2034 में आषाढ़ पर होगा।

आदि त्योहारों में तिथियां घटने के साथ बढ़ेंगी। इस साल मांगलिक कार्य चार फरवरी से शुरू होंगे। विवाह के मुहूर्त भी चार से ही शुरू होंगे।

प्रो. नागेंद्र पांडेय ने बताया कि नए साल के राजा गुरु ब्रह्मसूति और श्री मंगल होंगे। यह साल गैर नामक वर्ष के रूप में होगा। लेकिन, राजा के गुरु ब्रह्मसूति के होने से उथल-पुथल के बीच समन्वय बना रहेगा। इस वर्ष का मिथुन, कर्क, कांय व धनु राशि के लिए काफी फलदायी है। बाकी राशियाँ को थोड़ा कष्ट रहेगा। अधिकांश में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। प्रो. नागेंद्र पांडेय ने बताया कि अधिकांश वाले माघ में कोई मंगल कार्य नहीं होते हैं। इस मास में यज्ञ, उप व तीर्थों में स्नान के फल मिलते हैं। भगवान शिव का अभिषेक, रुद्राभिषेक व पूजन काफी फलदायी होता है।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मुरी रेलवे स्टेशन और उसके आस-पास के क्षेत्र में ऑपरेशन सतर्क के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया। उपनिरीक्षक रवि शंकर ने गुरुवार को बताया कि अभियान के दौरान प्लेटफार्म संरक्षा एक पर मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में बैठा हुआ पाया गया, जिसके पास दो पिस्ट्र बैग थे, जो असामान्य रूप से भारी प्रतीत हो रहे थे। रोककर पूछताछ करने पर उसकी पहचान विंघ्याचल सिंह के रूप में हुई। उसके सामान की तलाशी लेने पर कुल 38 बोतल अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 26,000 रुपए है। पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह टाटानगर से मुरी रेलवे स्टेशन आया था तथा रोहतास जाने के लिए ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहा था, ताकि बरामद शराब को अपने क्षेत्र में बेचकर अवैध लाभ कमा सके। उन्होंने बताया कि मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ की ओर से सतर्कता बरते हुए निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आरपीएफ पोस्ट मुरी और फ्लाइंग टीम रांची की ओर से मुरी रेलवे स्टेशन एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में ऑपरेशन सतर्क के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

सीटू के संघर्ष से 70 कर्मियों को मिला बकाया भुगतान : भवन रांची।

हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष भवन सिंह ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यूनियन के लंबे और संगठित संघर्ष के बाद एचईसी में कार्यरत 70 मजदूरों को 31 जनवरी 2025 को 52 हजार रुपए से लेकर 65 हजार रुपए तक की राशि का बकाया भुगतान किया गया। यह भुगतान उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में किया गया है। भवन सिंह ने कहा कि ई ग्रेड से सीझाडी ग्रेड में जाने के दौरान वार्षिक वेतन वृद्धि को आठ रुपये से घटाकर सात रुपये कर दिया गया था। इस एक रुपये की कटौती के खिलाफ सबसे पहले 06 एफएफपी के कार्पेंटर कर्मियों ने यूनियन के माध्यम से कानूनी लड़ाई शुरू की। लगभग 20 वर्षों तक विभिन्न न्यायालयों में चले संघर्ष के बाद उच्च न्यायालय से जीत मिली और 27 कार्पेंटरों को भुगतान कराया गया। इसके बाद आईटीआई और सीटीआई प्रशिक्षुओं ने भी यूनियन के नेतृत्व में उसी आधार पर मुकदमा लड़ा। भुगतान में देरी होने पर उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की गई, जिसके बाद दिसंबर के अंत तक भुगतान करने का आदेश दिया गया। आदेश के अनुपालन में प्रबंधन ने अब राशि का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह करीब 30 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। हालांकि अभी भी लगभग 70 कर्मियों का भुगतान शेष है, जिसे बातचीत के माध्यम से हल करने का प्रयास जारी है। भवन सिंह ने समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए उच्च प्रबंधन की टीम को बधाई दी और मजदूरों से एकजुट होकर संगठित संघर्ष जारी रखने की अपील की है।

बीएयू को पूर्वी भारत का अग्रणी कृषि विवि बनाने का प्रयास करें : कुलपति

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में नववर्ष का स्वागत

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दुबे ने विश्वविद्यालय कर्मियों से आग्रह किया है कि वे बीएयू को पूर्वी भारत के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने का समेकित प्रयास करें। कुलपति बृहस्पतिवार को मुख्यालय ग्राउंड में नववर्ष स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने कर्मियों को जीवन यापन, परिवार का भरण पोषण करने और अपना छत बनाने का साधन उपलब्ध कराया तथा समाज में पहचान, प्रतिष्ठा दी है इसलिए वे ऐसा कोई भी कार्य नहीं करें जिससे विश्वविद्यालय की छवि को आंच आए। जब संस्था हित की बात आए तो व्यक्तिगत हित को किनारे रखकर भी कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय की शिक्षण, शोध,

रांची : वर्ष 2025 के आखिरी दिन झारखंड सरकार ने अपने अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला और प्रोन्नति किया है । झारखंड बिजली संचरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कमलेश्वर कांत वर्मा को 31 दिसंबर 2026 तक के लिए एक्सटेंशन दे दिया गया है । वहीं आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल को मद्य निषेध विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है।

14 आईएएस अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग

झारखंड सरकार ने साल के अंतिम दिन 14 आईएएस अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से बुधवार देर शाम जारी अधिसूचना जारी कर दी गई। 2001 बैच के आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल को प्रधान सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग नियुक्त किया गया है।वे इससे पहले वाणिज्य कर विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत थे।

अमित कुमार वाणिज्य कर विभाग के सचिव

2010 बैच के आईएएस अधिकारी अमित कुमार को वाणिज्य कर आयुक्त के साथ-साथ वाणिज्य कर विभाग का सचिव बनाया गया है और वे अपने वर्तमान पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभालते रहेंगे। 2010 बैच के राजीव रंजन को योजना एवं विकास विभाग के

विशेष सचिव पद से हटाकर अपर सदस्य, राजस्व पर्षद नियुक्त किया गया है। इसी बैच के अबु इमरान को वित्त विभाग में सचिव (व्यय) के पद पर तैनात किया गया है।

छवि रंजन को एनएचएम का अभियान निदेशक बनाया गया

वहीं, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन, जो अब तक पदस्थापन की प्रतीक्षा में थे, को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का अभियान निदेशक बनाया गया है।

कई एसडीओ के भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

छतरपुर के एसडीओ के पद पर तैनात रहे 2021 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष गंगवार को धनबाद का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। हुसैनाबाद के एसडीओ ओम प्रकाश गुप्ता, अब नगर आयुक्त, हजारीबाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। रांची सदर के एसडीओ उत्कर्ष कुमार को पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) का उप विकास आयुक्त बनाया गया है। सन्नी राज को धनबाद और रिया सिंह को हजारीबाग का उप विकास आयुक्त नियुक्त किया गया है। नवनि्युक्त अनुमंडल पदाधिकारियों की सूची में 2023 बैच के कई आईएएस अधिकारियों को

महत्वपूर्ण क्षेत्रों की कमान सौंपी गई है। कुमार रजत को रांची



सादर

का नया एसडीओ बनाया गया है। इसके अलावा, लोकेश बारी को धनबाद, आदित्य पांडेय को हजारीबाग सदर, अर्नव मिश्रा को धालभूम (जमशेदपुर), और अभिनव प्रकाश को सरायकेला-खरसावां का एसडीओ नियुक्त किया गया है। कार्मिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों को वर्तमान प्रभार से मुक्त किया गया है, वे अविलंब कार्मिक विभाग में योगदान देंगे।

18 आईपीएस की ट्रांसफर-पोस्टिंग, कई अफसरों को प्रमोशन

उधर, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, आईजी रांची के पद पर कार्यरत 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज कौशिक को अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) के

पद पर प्रोन्नति दी गई है। प्रोन्नति के बाद उन्हें अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) में एडीजी बनाया गया है। साथ ही, वे अगले आदेश तक अपने वर्तमान पद आ ईंजी रांची का अतिरिक्त प्रभार भी संभालते रहेंगे।

अजय लिण्डा सीआईडी के नए आईजी

2008 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय लिण्डा को पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रैंक में प्रोन्नति देते हुए सीआईडी का नया आईजी नियुक्त किया गया है। वहीं, 2010 बैच के नौशाद आलम अंसारी को विशेष शाखा का डीआईजी बनाया गया है। इसके अलावा, 2012 बैच के कौशल किशोर को प्रोन्नति के साथ डीआईजी पलामू और अंजनी कुमार झा को डीआईजी हजारीबाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी बैच के मो. अशी को होमगार्ड एवं अग्निशमन सेवा में डीआईजी बनाया गया है, जबकि आनंद प्रकाश को डीआईजी बोकारो के पद पर तैनात किया गया है।

श्रीकांत सुरेश राव खोत्रे सिमडेगा के एसपी होंगे

2015 बैच के आईपीएस

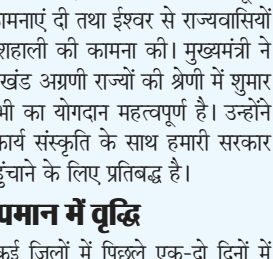
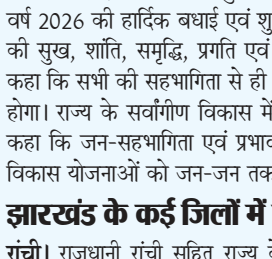
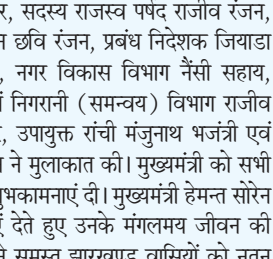
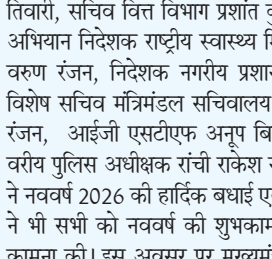
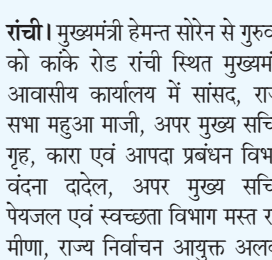
अधिकारी श्रीकांत सुरेश राव खोत्रे को राज्यपाल के एडीसी के पद से हटाकर सिमडेगा का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। 2017 बैच के कैलाश करमाली को एसपी रेल धनबाद से स्थानांतरित कर समादेष्टा, होमगार्ड रांची नियुक्त किया गया है। वहीं, 2022 बैच के शिवम प्रकाश को चक्रधरपुर के एसडीपीओ पद से हटाकर राज्यपाल का नया एडीसी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी निखिल राय और सुश्रुति को प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), रांची में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित किया गया है।

अविनाश कुमार जैप-7 के कमांडेंट

गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से नवनि्युक्त आईपीएस अधिकारियों में अविनाश कुमार को हजारीबाग स्थित झारखंड आर्म्ड पुलिस-7 का कमांडेंट बनाया गया है। इसी तरह दीपक कुमार को देवघर में झारखंड आर्म्ड पुलिस-5 के कमांडेंट के पद पर पोस्टिंग दी गई है। रोशन गुड़िया को एसपी सीआईडी के पद पर नियुक्त किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है और जिन्हें नई पदस्थापना नहीं दी गई है, उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

एक नजर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं



रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कर्क रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद, राज्य सभा महुआ माजी, अपर मुख्य सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्त राम मोणा, राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका

तिवारी, सचिव वित्त विभाग प्रशांत कुमार, सदस्य राजस्व पर्षद राजीव रंजन, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छवि रंजन, प्रबंध निदेशक जियाडा वरुण रंजन, निदेशक नगरीय प्रशासक, नगर विकास विभाग नैसी सहाय, विशेष सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग राजीव रंजन, आईजी एसटीएफ अनुप बिरथरे, उपायुक्त रांची मंजुनाथ भर्जंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन ने मुवाकफत की। मुख्यमंत्री को सभी ने नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समस्त झारखण्ड वासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा ईश्वर से राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि, प्रगति एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की सहभागिता से ही झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार होगा। राज्य के सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जन-सहभागिता एवं प्रभावी कार्य संस्कृति के साथ हमारी सरकार विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

झारखंड के कई जिलों में तापमान में वृद्धि

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में पिछले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं राज्य के कई इलाकों में अब भी कंपकंपी वाल ठंड पड रही है। राज्य के जिन जिलों में दिन के तापमान में वृद्धि हुई है उनमें डालटेगंज में सबसे अधिक पांच डिग्री, रांची में दो डिग्री, जमशेदपुर में तीन डिग्री, चाईबासा में दो डिग्री और लोहरदगा में एक डिग्री शामिल है। वहीं पलामू प्रमंडल में अब भी कंपकंपी वाली ठंड पड रही है। यहां पिछले तीन-चार दिनों में गुरुवार की दोपहर में मौसम कुछ साफ हुआ। इससे लोगों को काफी राहत मिली। इधर, मौसम विभाग ने बताया कि राज्य भर में अगले तीन दिनों में तापमान दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान में राज्य में सबसे अधिक तापमान 26.1 डिग्री रांची और सबसे कम तापमान गुमला में 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नववर्ष के मौके पर तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना के रागी जत्था का शबद गायन

आगे सुख मेरे नीता पाछे आनंद प्रेम कीता...

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। कृष्णा नगर कॉलोनी, रातु रोड गुरुद्वारा साहिब में नववर्ष के मौके पर तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना के रागी जत्था भाई हरजीत सिंह जी ने शबद गायन कर साथ संगत की निहाल किया।

नववर्ष पर गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से आज 1 जनवरी 2026, गुरुवार को कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुद्वारा साहिब में सुबह 9:00 बजे से विशेष दीवान सजाया गया। समामग के लिए विशेष रूप से पधारे सिख पंथ के प्रसिद्ध रागी जत्था भाई हरजीत सिंह, तख्त श्री पटना साहिब वाले ने आगे सुख मेरे नीता पाछे आनंद प्रेम कीता... एवं हऊ कुबानें जाऊ तिना के लैण जो तेरा नाउ... जैसे शबद गायन कर संगत की निहाल किया और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के संदेश 'मानस की जात सबै एक पहचानिबो' को ईमानदारी से अपने जीवन में उतारने को कहा। श्री अनंद साहिब जी के पाठ, गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवंदर सिंह जी द्वारा अरदास एवं हुम्नाना पढ़े जाने के साथ दीवान की समाप्ति हुई। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिट्ठा एवं सचिव सुरेश मिट्ठा ने भाई हरजीत सिंह एवं साथियों को गुरु घर का सरीषा ओढ़ाकर सम्मानित किया। मंच संचालन मनोष मिट्ठा ने किया। समाप्ति पर साथ संगत के बीच कण्ठ प्रसाद का वितरण किया गया। नव वर्ष के मौके पर सत्संग सभा द्वारा चाय नाश्ते का लंगर भी



चलाया गया।

गुरूनानक सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिट्ठा ने समूह साथ संगत को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए इसी तरह गुरु घर की सेवा करते रहने को कहा। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि हर वर्ष कृष्णा नगर कॉलोनी से पटना में शामिल होने गए श्रद्धालुओं के रांची लौटने के बाद श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर उपलक्ष में दो दिवसीय समागम आयोजित किया जाता है और गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा इस बार तीन और चार जनवरी को दो विशेष दीवान सजाए जाएंगे। पहला दीवान शनिवार 3 जनवरी को रात 8 बजे से 11:30 बजे तक तथा दूसरा दीवान रविवार 4 जनवरी को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक सजाया जाएगा। प्रकाश पर्व में शिरकत करने के लिए सत्संग पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई बलजीत सिंह

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। धनुर्मास पर्यन्त वैकुण्ठ एकादशी महात्सव को ले श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में 1 जनवरी गुरुवार को प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम्, मंगलाशासनम् और तिरुवाराधन के बाद भगवान का दूध, दधि, हल्दी, चंदन, शहद, डाभयुक्त जल, केसरयुक्त जल और गंगाजल से अलग-अलग उपचार और मंत्रोंचार के बीच महाभिषेक कराया गया। फिर रेशमी वस्त्रों से आवृत करके सद्गुणों से सुसज्जित किया। भगवान का मूल विग्रह नख से शिखा तक स्वर्ण कवच से आच्छादित हो दिव्य सुशोभित हो रहे थे।

नव वर्ष का उमंग और सहस्त्रनाम अर्चना का अनुष्ठान में श्रद्धालुओं से आभ्युदय हुआ था। श्रद्धालुओं की भीड़ की स्थिति देखते हुए मंदिर का पट दिन भर खुला रहा। प्रातः से रात्रि तक मध्यांतर भी नहीं किया गया। आज के अर्चना का शुभारंभ



जगतगुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज और उनके सहयोगी श्री गोविंद दास जी महाराज के हाथों संकल्प से हुआ। आज जगद्गुरु श्रीअनिरुद्धाचार्यजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा - वही शरीर पवित्र है, जिस शरीर से भगवान की सेवा की जाए, शरीर भगवान की सेवा के लिए ही मिला है। मनुष्य शरीर और उसकी संपत्ति का उपयोग अगर भगवान की सेवा के लिए नहीं होता है, तो ऐसा शरीर एवं संपत्ति व्यर्थ है, क्योंकि हम भगवान के हैं और हमारा शरीर तथा संपत्ति सभी

भगवान की है। हमारे परिवार के सदस्यों में भी भगवान स्थित है और इसलिए भगवान की आराधना से सभी की आराधना हो जाती है। भगवान की आराधना करने से हमारे संबंध सभी लोगों से अच्छे और मजबूत होते हैं, क्योंकि यही ईश्वर की व्यवस्था है। मैं स्वाभाविक रूप से भगवान का दास हूँ और मेरा जन्म भगवान की अनुकंपा है। यह शिक्षा एकमात्र महिला आलवार श्रीमहालक्ष्मी की अवतारिका गोदाम्बाजी ने अपने व्रत के माध्यम से दी है। हमारे जीवन में भगवत-भागवत की प्रति

नम्रता का भाव रहना चाहिए। मनुष्य जीवन में नम्रता अनमोल पूंजी है। आज उद्घाटनमय सेवा के यजमान राजू चौधरी धर्मपत्नी मोना चौधरी, महाभिषेक अरुण कुमार सिन्हा धर्मपत्नी अनुराधा सिन्हा थे, जबकि दिनभर का भोग -स्पर्श आयुष कात्याल जबकि एक समय का भोग शशांक सोनी की ओर से हुआ। अर्चक सत्यनारायण गौतम गोश्व आचार्य और नारायण दास जीने चारों दिन के अनुष्ठान को वृटि क्षमा प्रार्थना के साथ संपन्न कराया। सहस्त्रनाम अर्चना में मंदिर संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नरसरिणा सहित अनुप अग्रवाल, अनोश अग्रवाल, गोपाल शर्मा, अनीता रंजन, पंकज अग्रवाल, निरंजन सिंह, आशीष जायसवाल, उत्तम कुमार, कृष्ण बिहारी सिंह, डॉक्टर अमरनाथ पाटक, रतीश शिव कुमार द्विवेदी, संजय अग्रवाल, रंजीत कुमार दास, आशीष अग्रवाल, विनय शाही, निखिल रंजन श्रीवास्तव, कुंदन नारायण, सुप्रिया अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मांडर में नव वर्ष की धूम लोगों ने जम कर उठाया लुत्क



मांडर : मांडर एवं चान्हो तथा आस पास के क्षेत्रों में नववर्ष की की धूम रही, लोग सुबह से नव वर्ष के आगमन की खुशी में पिकनिक मनाने की तैयारी में जुट गए, चिकन एवं मटन की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही, मांडर के करीे रोड मलती मोड़ के निकट स्थित सरकारी शराब की दुकान पर एक दिन पूर्व से ही शराब खरीदने को लेकर लम्बी लाइन लगी रही, आज सुबह से शाम तक जम कर शराब की विक्री हुई, पिकनिक स्थलों पर लोगों ने पिकनिक का लुत्फ उठाया, पिकनिक की लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही इस दौरान कहीं भी किसी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।

सिंगपुर कांटाडीह में अलविदा मेला



सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सिंगपुर कांटाडीह में गत बर्ष की भाति इस वर्ष भी अलविदा मेला 31 दिसंबर 2025 दिन बुधवार को आयोजित किया गया। जिसमें बाई नृत्य, कला संस्कृति मंच एवं मुग्गाल लड़ाई आदि कार्यक्रम को शामिल किया गया। इसको लेकर बाई नृत्य कलाकार सरस्वती देवी एन्ड ग्रुप, कवि बिनंद सिंह देव सेवा संस्थान सिल्ली की टीम एवं गांव के कला-संस्कृति टीम को भी आमंत्रित किया गया। मेला में आस-पास के अलावा दूर-दूर तक के लोग शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक अलविदा मेला का आयोजन सिंगपुर कांटाडीह के ग्रामवासी की ओर से किया गया।

पूर्व विधायक डॉ. जीतू चरण राम की मां का निधन



बुढ़मू : ककिके के पूर्व विधायक डॉक्टर जीतू चरण राम की मां बुटनी देवी (83) वर्षीय का मुरुपीरी में निधन हो गया. बुटनी देवी पिछले कुछ समय से बीमार थी। स्थानीय मुक्तिधाम मुरुपीरी में समाज के नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया, वहीं घटना को लेकर परिवार वालों में मातम पसरा हुआ। घटना की सूचना पर कई गणमान्य लोगों ने दुःख व्यक्त किया, और कई लोगों ने उनके पैतृक आवास मुरुपीरी जाकर परिवार वालों को ढाँस बंधाया। गुरुवार को समाज के नियमानुसार पूर्व विधायक जेसी राम की मां बुटनी देवी का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के मौके पर सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। पूर्व विधायक जेसी राम की मां के निधन पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट, मनोज कुमार साहू, मनोज वाजपेयी, रामकुमार डुबे, संतोष यादव, राजू गोस्वामी जगलाल महतो, अर्जुन महतो, गंगाधर महतो, पंकज साव, निर्मल साव, रामजी साव सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

नव वर्ष के स्वागत में विहंगम योग संत समाज ने किया हवन यज्ञ

पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर

रांची। नव वर्ष 2026 के अवसर पर रांची में आध्यात्मिक चेवना, वैदिक परंपरा और सामाजिक सद्भाव को लेकर विहंगम योग संत समाज, रांची की ओर से गुरुवार को दलादली स्थित फुटकल टोली में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। यह आयोजन सद्गुरुदेव आश्रम (सदाफलदेव आश्रम) परिसर में विधिविधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ, जिसमें शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सद्गुरु सदाफल देव भगवान के चित्र पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद स्वागत गान और मंगलगान प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच प्रज्वलित हवन कुंड में श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। हवन से उठती पवित्र अग्नि और मंत्रों की गूंज ने वातावरण को

नव वर्ष पर हुंडरू फॉल, जोन्हा व सीता फॉल में उमड़ी भीड़

नव प्रदेश संवाददाता

अनगड़ा। नव वर्ष के मौके पर प्रखंड के हुंडरू,जोन्हा और सीता फॉल में पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी। झारखंड समेत पश्चिम बंगाल,बिहार,उड़ीसा व छत्तीसगढ़ से पर्यटक यहां पिकनिक मनाने और घूमने पहुंचे थे। पार्किंग में जगह कम पड़ गई थी। हुंडरू फॉल में मुख्य द्वार से हुंडरू-अनगड़ा मार्ग में करीब डेढ़ किलोमीटर पहले से ही वाहनों की लंबी कतार सड़क के दोनों ओर पार्क करने से जाम की स्थिति बन गई थी। इसके अतिरिक्त दुसरे छोर पर भी सिकिंदिरी-हुंडरू फॉल पथ में वाहन सड़क के दोनों ओर करीब एक किलोमीटर पहले से ही पार्क किया गया था। फॉल से पहले पिकनिक मनाने के लिए जगह कम पड़ गए थे। फॉल के उपर और नीचे जगह नहीं मिलने के कारण कुछ पर्यटक अपने परिवार के साथ सड़क के किनारे खाली पड़े खेतों में पिकनिक मनाते नजर आए। युवकों की टोली हिन्दी और नागपुरी गीत पर जमकर थिरके। पर्यटकों में खासकर महिलाओं के लिए पेयजल और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से उन्हें काफी परेशानी हुई। पेयजल के लिए पर्यटक भटकते नजर आए । हुंडरू फॉल में सुबह साढ़े चार बजे से ही वाहनों का पहुँचना शुरू हो गया था। पर्यटनकर्मी और सिकिंदिरी थाना की पुलिस पर्यटकों को संभालने में मुश्तैद दिखे।

सिकिंदिरी में 100 गरीबों के बीच कंबल वितरण

अनगड़ा। राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू की ओर से नव वर्ष के मौके पर साड़ी में चादू एवं कुटे पंचायत के विभिन्न गाँवों में वृद्ध असहाय महिला- पुरुषों के बीच 100 कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता भाजपा ओरमांडी मंडल अध्यक्ष शंकर महतो ने किया। मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी व मनकी राजेंद्र शाही मुंडा ने कंबल का वितरण किया। अमरनाथ चौधरी ने बताया कि कडाके की ठंड

लोटा में विजय महतो स्मृति मेला

सिल्ली। कला प्रेमी स्व. विजय महतो के बारहवें पुण्यतिथि पर सुरगुंजाडीह , लोटा में विजय महतो स्मृति मेला का आयोजन किया गया। इस मेला में कुडमाली, पांवपरगना झुमर गायन नर्तकी नाव एवं आकर्षक पुरस्कार के साथ मुग्गाल लड़ाई का आयोजन किया गया। मेला के मुख्य अतिथि रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा, विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता डॉ राकेश किरण महतो, युवा कांग्रेस सिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विकास रजक , डॉ विवेक कुमार , डॉ श्रवण कुमार, कांग्रेस नेता संदीप कुमार , बता दक्षिण पंचायत मुखिया गंगा राम मुंडा, हरेकृष्ण महतो , गोकुल महतो , नांगरधर महतो , मुरलीधर घटवार आदि मेला में उपस्थित हुए । इस मेला को सफल बनाने में मेला आयोजक कला प्रेमी सिदाम महतो , मेला के अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो , उपाध्यक्ष विकास कुमार महतो, सचिव लखीराम महतो , उपसचिव डॉ पशुपति महतो , कोषाध्यक्ष अर्जुन राम महतो, उप कोषाध्यक्ष पांडव महतो , साथ ही गिरिधारी महतो , पूर्व शिक्षक गणेश महतो , आशीष महतो , शिव शंकर महतो , श्रवण महतो , खरेन मुंडा , सुकरु महतो , बर्दिनाथ महतो , अजय कुमार महतो , बुध्देय महतो,



जिप लाइन बंद होने से पर्यटक मारूस

साहसिक कारनामों में रूचि रखने वाले पर्यटकों ने जिप लाइन बंद रहने से निराश होकर लौट गए। झारखंड पर्यटन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद ने बताया

सेन ने बताया कि वे जिप लाइन में चढ़ने के लिए हुंडरू फॉल पहुंचे थे। परन्तु निराशा हाथ लगी। अन्य आर्यटक भी जिप लाइन बंद रहने से निराश होकर लौट गए। झारखंड पर्यटन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद ने बताया

कि हुंडरू फॉल में नव वर्ष पर करीब 20 हजार पर्यटक फॉल घूमने पहुंचे थे। सुरक्षा व्यवस्था संभालने में सिकिंदिरी थाना प्रभारी सचिन कुमार मिश्रा,पुलिस बल एवं पर्यटन मित्र मुश्तैद रहे । पर्यटक शाम पांच बजे के बाद भी फॉल

नववर्ष पर निदेशक व कर्मी मिले



रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में नववर्ष 2026 के अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) धनन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्षनाथ मिश्र और निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी ने मुख्यालय में कार्यरत सभी कोयला कर्मियों से मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की बधाई दी। निदेशकों ने कर्मियों से व्यक्तिगत रूप से बात कर हुए उनका कुशलक्षेम जाना और उनके कार्यों की सरहना की। उन्होंने कहा कि सीसीएल की प्रगति और उपलब्धियों के पीछे कर्मियों की कड़ी मेहनत, निष्ठा और समर्पण की अहम भूमिका है। नववर्ष के अवसर पर उन्होंने सभी कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और कार्यक्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना की। इस दौरान अग्रन्तव के प्रतीक के रूप में निदेशकों ने कोयला कर्मियों को उपहार स्वरूप पेंग भी भेंट किया।

शक्ति स्थल जतरा खूंटा की पूजा हेतु सरना धर्मवलंबियों की उमड़ी भीड़



मांडर : नववर्ष को लेकर मांडर के मुड़मा स्थित शक्ति स्थल जतरा खूंटा की पूजा अर्चना हेतु सरना धर्मवलंबियों की भीड़ उमड़ पड़ी राष्ट्रीय धर्म गुरु बंधन तिग्गा की अगुवाई में हजारों की संख्या में

सरना धर्मावलम्बी जतरा खूंटा की पूजा अर्चना की साथ नव वर्ष की शुरुवात में अपने राज्य, समाज एवं परिवार की खुशहाली हेतु प्रार्थना की मौके पर राष्ट्रीय धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने सभी लोगों को नववर्ष की

सुभकामनाएं दी मौके पर आस पास के लोगों के अतिरिक्त लातेहार, खूंटी, गुमला, लोहरदगा एवं रामगढ़ से भी सरना धर्मावलम्बी जतरा खूंटा शक्ति स्थल पर पहुंचे और विधिवित जतरा खूंटा की पूजा अर्चना की।

नव वर्ष के स्वागत पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बुढ़मू : नव वर्ष 2026 नए साल के अवसर पर ठाकुरगांव, बुढ़मू मुख्य पथ में निलय कॉलेज स्थित राजनंदनी लाउंज, रेस्टुरेंट में गीत संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आए ग्राहकों एवं अन्य लोगों ने गीत संगीत का लुप्त उठाया। मौके पर राजनंदनी लाउंज के प्रबंधक गोपाल तिवारी ने बताया कि नव वर्ष 2026 नए साल के अवसर पर गीत संगीत का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राहकों सहित अन्य लोगों ने आकर गीत संगीत का लुप्त उठाया। साथ ही प्रबंधक गोपाल तिवारी ने कहा कि हमारे यहां वातातुकूलित पारिवारिक रेस्टुरेंट बैकैट एवं कमरा सुंदर खुला गार्डन की व्यवस्था की गई है, जिसमें आप सभी लोग परिवार के साथ रेस्टुरेंट लाउंज आकर कई प्रकार के व्यंजन का लुप्त उठा सकते हैं। मौके पर कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प है

नव वर्ष : कल्पना सोरेन



रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी सह गाइडिंग विधायक कल्पना सोरेन ने नववर्ष 2026 के अवसर पर झारखंडवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि राज्य की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि नया वर्ष केवल समय का बदलाव नहीं, बल्कि झारखंड को और अधिक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का एक नया संकल्प है। कल्पना सोरेन ने कहा कि वीर पुरखों के संघर्ष और सपनों से बने झारखंड को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।राज्य का समग्र विकास तभी संभव है, जब समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचे और अंतिम व्यक्ति भी प्रगति की इस यात्रा में सहभागी बने। उन्होंने राज्यवासियों से आह्वान किया कि सभी मिलकर ऐसा झारखंड बनाएं, जहां समानता, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भरता की प्राथमिकता दी जाए। ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में मजबूत पहल से ही आने वाली पीढ़ियों को एक सुशिक्षित और उज्ज्वल भविष्य दिया जा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि नए वर्ष में सकारात्मक सोच, आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों से राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा।

रक्षा मंत्री से रक्षा राज्य मंत्री ने की मुलाकात, दी नववर्ष की बधाई



रांची। रक्षा मंत्रालय में गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुलाकात की। इस दौरान संजय सेठ ने रक्षा मंत्री को नववर्ष 2026 की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राज्यपाल से अपर मुख्य सचिव सहित अन्य ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी



रांची। नववर्ष 2026 के अवसर पर गुरुवार को लोक भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से उनके अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी सहित अन्य ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके अलावा, राज्यपाल से झारखंड राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ जमाल अहमद और रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भर्जनी एवं वीरेंद्र पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की।

नववर्ष पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



रांची। आंख नववर्ष 2026 की शुरुआत पर गुरुवार को राजधानी रांची के सभी प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग परिवार सहित भगवान के दर्शन कर नए वर्ष की शुरुआत की तथा बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की। सुबह से ही रांची के पहाड़ी मंदिर, चुटिया के सुरेश्वर धाम, मेन रोड के काली मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा बाड़ी, रातू रोड के दुर्गा मंदिर सहित अन्य मुहल्लों के मंदिरों में सुबह से ही लोग पहुंचकर पूजा अर्चना करते हुए दिखे। लोगों ने परिवार के साथ नए वर्ष की शुरुआत भगवान के दर्शन के साथ की। लोगों ने इस दौरान बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और सुख शांति की कामना की। रांची के पहाड़ी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस के जवान और स्वयंसेवक मुस्तैदी से जुटे रहे। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बुधवार को बताया कि भीड़ के मद्देनजर पहाड़ी मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

नव वर्ष को लोगों ने भजन कीर्तन ओर पिकनिक के साथ मनाया



सोनाहातू/राहे। नव वर्ष को प्रखंड के लोगों ने उल्लास के साथ मनाया। सतिघाट पर्यटन स्थल में सुबह से ही लोगों की काफी भीड़ रही। बंगाल ओर झारखंड के लोग परिवार के साथ स्वर्णरेखा नदी के सतिघाट पर पिकनिक मनाया। थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप कुमार के साथ पुलिस बल पिकनिक स्थल पर गस्ती करते रहे। राहे प्रखंड के मांझीडीह-कुबाडीह पूर्वकाम राम जानकी मंदिर परिसर में मानस प्रवक्ता रवि ठाकुर की टीम ने दिन भर भजन कीर्तन और रामायण पाठ किये। इसके अलावे राहे घाघ, कोकोरो डैम,आदि जगहों में लोगों ने पिकनिक मनाया। थाना प्रभारी लखवंत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ गस्ती करते रहे।

पिलपिलो चौक में कपसा बाबा की पूजा अर्जना, क्षेत्र की सुख शांति के लिए किया गया कामना



नवप्रदेश/बेरमो : नावाडीह प्रखंड ऊपरघाट कंजकिरो पंचायत पिलपिलो चौक में स्थित कपसा बाबा का पूजा अर्जना गुरुवार को पुजारी पुरन महतो ने विधिवत रूप से की। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। पुजारी पुरन महतो ने बताया कि पिलपिलो चौक चारों ओर जंगलों से घिरा है। ऐसे स्थिति में ग्रामीण रात के अंधेरों में डर और भय का माहौल बना रहता था लेकिन जब से कपसा बाबा का स्थान दिया गया है तब से क्षेत्र के लोगों को किसी तरह की डर भय नहीं लगता है। लोग रात की अंधेरों में भी लोग कपसा बाबा का नाम लेकर अपने घर सुरक्षित जाते हैं। और उनकी रक्षा कपसा बाबा करते हैं। जब से कपसा बाबा का स्थान दिया है तब से किसी प्रकार की घटना या दुर्घटना होनी जानी से भी बचाव करता है। ग्रामीण प्रेमचंद महतो ने बताया कि कपसा बाबा के पास आकर जो भी माथा या मन्त्रें मांगते हैं उनकी हर मनोकामना को पूर्ण करते हैं। कपसा बाबा में ग्रामीणों के द्वारा हर साल एक जनवरी को अपने क्षेत्र की सुख शांति और खुशहाली के लिए हृदय से पूजा अर्जना करते हैं। कपसा बाबा में सफेद मुर्गा और बकरा का भी बलि देने की प्रथा है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग पूजा अर्जना कर अपने मन की इच्छाएं मांगते हैं। मौके पर किशोर कुमार महतो, कमल प्रसाद महतो, प्रेमचंद महतो, संतोष महतो, उमेश उजागर, नारायण महतो, चिंतामन महतो, प्रदीप साव, महीलाल महतो आदि लोग मौजूद थे।

1996 बैच का पुनर्मिलन समायोजन 1996 संपन्न, यादें हुई ताजी



नवप्रदेश/बोकारो: सेक्टर-12 बीएसएल के 1996 बैच के छात्रों का दो दिवसीय पुनर्मिलन कार्यक्रम समायोजन 1996 संपन्न हुआ जिसमें यादें पुनर्जीवित हुईं। यह आयोजन न केवल पुरानी यादों को ताजा किया बल्कि सभी को स्कूल के दिनों को दुबारा जीने का मौका प्रदान किया। कार्यक्रम उत्सव मिलन हॉल में आयोजित की गई जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, ग्रैंड डिनर, सेक्टर 12 बीएसएल हाई स्कूल परिसर में,छात्र अपने पुराने क्लासरूम और गलियारों से होकर गुजरे। इस दौरान शिक्षकों को सम्मानित किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आयोजन कर सभी ने खूब एंजॉय किया।। इस आयोजन में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष, रामाशीष, नित्या, नीलू, श्याम, शिव, प्रणब, सुनील, संदीप, दिगम्बर, सुशील, छोटेलाल, रवि,बरमेश्वर, शालिनी, सुनीता,वर्सा, नीलम, ममता,अंजली, सोनम, शाहिद, अंजु,सिद्धी, सबिता, मोनाक्षी इंडु, गुड्डिया, पिंकी, प्रतिमा, ज्योति साजिदा, शानित, मोनिदीपा आदि का सहयोग रहा।

नववर्ष पर चेचकाधाम में उमड़ी श्रदालुओं की भीड़ 10 विक्टल दूध का चढ़ा जुड़ी भोग



नवप्रदेश/तलगाड़िया। चास प्रखण्ड पंचायत कुम्हरी स्थित पौराणिक मंदिर चेचकाधाम में नववर्ष गुरुवार को श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। काफी संख्या में महिला पुरुष व बच्चों ने दामोदर नदी में स्नान कर भगवान-भाष्कर जलार्पन कर चेचका धाम पहुंचे तथा शिवमंदिर में जलार्पन कर पुजा अर्चना किया। मंदिर के पुजारी बाबा ओपीन सर्केल, दिलीप पाठक,नारायण तिवारी बाबा मूलूचंय, सुधीर पाठक, सनान गोस्वामी,अजय कुमार, कल्याण सर्केल कीर्तन उपाध्याय, उज्जवल तिवारी ने श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना कराया। अजय कुमार उपाध्याय उर्फ बुलबुल व संजय उपाध्याय के नेतृत्व में सबका सहयोग से 10 विक्टल दूध का जुड़ी भोग बाबा के दरबार में चढ़ाया गया तथा हजारों श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए चेचकाधाम विकास कमेटी ने श्रद्धालुओं किसी प्रकार कठिनाई न हो, इसे लेकर बहुत ही बेहतरीन व्यवस्था किया गया था। इस अवसर पर चेचका धाम विकास कमेटी के अध्यक्ष सागर दत्ता, गुणधार दत्त मुखिया बनिता देवी प्रतिनिधि दीनानाथ दत्त, मितन उपाध्याय, अमित पाठक अलावे गांव कुम्हरी- डूगरडा के लोग शामिल थे।

नववर्ष पर मां भुवनेश्वरी के दरबार में राय ने की क्षेत्र के विकास की प्रार्थना

पूर्वी सिंहभूम। नये वर्ष ’ पर गुरुवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने भुवनेगिरी धाम स्थित श्री आदि शक्ति माता भुवनेश्वरी पीठ पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मां भुवनेश्वरी की पूजा-अर्चना की। इसके बाद मंदिर परिसर में स्थित भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर में भी दर्शन कर उन्होंने मत्था टेका और जमशेदपुर की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा के बाद सरयू राय ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि जमशेदपुर निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़े और सभी लोग समाज के हित में बेहतर काम करें। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी नववर्ष का पहला दिन होने के कारण लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार पूजा स्थलों पर जाकर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं, क्योंकि इसी कैलेंडर के अनुसार सरकारी कार्यप्रणाली भी संचालित होती है। इस अवसर पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) महिला मोर्चा की अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

कार्बन नियंत्रण और एआई पर टाटा स्टील का चीन से टक्कर : टीवी नरेंद्रन

पूर्वी सिंहभूम नववर्ष के मौके पर टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा है कि कंपनी कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण के नए सरकारी नियमों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को लेकर पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में टाटा स्टील की सीधी प्रतियर्धा चीन से है, लेकिन गुणवत्ता, तकनीक और विस्तार के जरिए कंपनी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखेगी। गुरुवार को आयोजित नववर्ष कार्यक्रम में टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा कि भारत सरकार की ओर से कार्बन उत्सर्जन को सीमित करने के लिए जारी किए गए नोटिफिकेशन उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक हैं। उन्होंने बताया कि यूरोप में इस तरह के नियम पहले से लागू हैं और अब भारत में इन्हें लागू किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उद्योग को भी नई दिशा मिलेगी। वैश्विक प्रतियर्धा पर बात करते हुए नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील की मुख्य प्रतियर्धा चीन से है, जहां कम लागत पर स्टील का उत्पादन हो रहा है। इसी कारण चीन इस क्षेत्र में आगे है, लेकिन टाटा स्टील नवाचार, गुणवत्ता और टिकाऊ विकास के जरिए इस चुनौती का सामना कर रही है।

जश्न मनाया।

शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। नववर्ष के मौके पर जिला पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। पाकों और डैम क्षेत्रों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जगह-जगह सुरक्षा संबंधी साइन बोर्ड लगाए गए थे। पुलिस की सक्रियता और प्रशासनिक व्यवस्था के कारण पूरे जिले में माहौल शांतिपूर्ण बना रहा।

कुल मिलाकर, आस्था, मनोरंजन और प्रशासनिक समुचित इंतजामों के बीच बोकारो जिले में अंग्रेजी नववर्ष 2026 का स्वागत हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

घोषित किया गया हो, तो संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत एवं प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार होंगे और उनके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में आदेश की प्रतिलिपि बोकारो स्टील प्लांट, सीसीएल, डीवीसी सहित अन्य औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों को भेजी गई है। साथ ही चास एवं बेरमो (तेनुघाट) अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र में कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का हुआ शुभारंभ



नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर जिलेवासियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर से उपायुक्त श्री ऋतुराज ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और जान-माल की ह्ति को रंका जा सके। उपायुक्त ने कहा कि सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब नागरिक स्वयं यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करें। जागरूकता रथ के माध्यम से ऑडियो विलप के जरिए यातायात नियमों के सही अनुपालन से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यह जागरूकता रथ कोडरमा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, दुपहिया वाहन पर दोनों सवारों द्वारा हेलमेट पहनने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा अनावश्यक ओवरटेक से बचने के लिए जागरूक करेगा। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि सड़क सुरक्षा को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी समझें और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला परिषद पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। फूल-पौधों, हरियाली और पानी के फव्वारों ने वातावरण को और भी मनोहारी बना दिया। पूजा के बाद श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते और धूप का आनंद लेते नजर आए, वहीं कई लोग पिकनिक मनाने के लिए शहर के विभिन्न स्थलों की ओर रवाना हो गए।

अंग्रेजी नववर्ष 2026 के अवसर पर बोकारो के पाकों और डैम क्षेत्रों में भी भारी भीड़ देखी गई। सिटी पार्क, नेहरू पार्क, अमृत पार्क, गरगा डैम, तेनुघाट डैम, भरवा डैम, गवाई डैम सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर लोगों का हजूम उमड़ा। परिवार और मित्रों के साथ लोगों ने पिकनिक, घूमने और नए साल का



इसके अलावा सूर्य मंदिर, हनुमान मंदिर और शिव मंदिर, राम मंदिर, भूतनाथ मन्दिर में भी भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना हुई। मंदिर

बोकारो में जर्जर भवनों पर प्रशासन सख्त, उपायुक्त ने दिए व्यापक निरीक्षण के आदेश

नवप्रदेश/बोकारो बोकारो स्टील सिटी सेक्टर-1/ बी में हाल ही में हुई भवन गिरने की घटना के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। घटना में संपत्ति को नुकसान के साथ कई लोग घायल हुए थे। इसे गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने जिले भर में जर्जर और असुरक्षित भवनों को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

उपायुक्त सह जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अध्यक्ष अजय नाथ झा ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत निर्देश जारी करते हुए कहा कि जिले के सभी सरकारी भवनों, कार्यालयों, आवासीय क्वार्टरों, छात्रवासों एवं अन्य संरचनाओं का तत्काल भौतिक निरीक्षण एवं संरचनात्मक सुरक्षा सर्वेक्षण कराया जाएगा। जर्जर, क्षतिग्रस्त या असुरक्षित पाए जाने वाले भवनों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण अथवा रेट्रोफिटिंग

अनिवार्य रूप से कराई जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मानव निवास के लिए अनुपयुक्त पाए जाने वाले भवनों को सक्षम प्राधिकार द्वारा असुरक्षित या निंदनीय घोषित किया जाएगा। ऐसे भवनों को तत्काल खाली कराकर चेरबंदी की जाएगी तथा विधिक प्रक्रिया के तहत ध्वंसीकरण या पुनर्निर्माण की कार्रवाई होगी। सुरक्षा प्रमाणन के बिना किसी भी भवन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

भवन गिरने या संरचनात्मक

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को बिरसा बासा में दी गई श्रद्धान्जलि 1 जनवरी को काला दिवस के रूप में मनाते हैं आदिवासी समाज

नवप्रदेश/बोकारो। 1 जनवरी 1948 खरसावां गोलीकांड के शहीदों को आदिवासी समाज के द्वारा गुरुवार को सेक्टर 12 बिरसा बासा स्थित बिरसा-अहैडकर प्रतिमा स्थल पर श्रद्धान्जलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंगो बिरुवा व संचालन झरीलाल पात्रा ने किया। मौके पर आदिवासी समाज के लोगों ने अपने वीर शहीदों को ससन बिड दिरी का प्रतीक फोटो पर फूल माला, दीप प्रज्वलित और दिरी दुल सुनुम (तेल डालकर) करके पारंपरिक तरीके से सुमन श्रद्धा अर्पित कर उनकी कुबानी को याद किया। इस दौरान शहीदों की याद में नारे लगाए। खरसावां गोलीकांड और कोल्हान सहित झारखंड के वीर शहीद अमर रहे, अमर रहे, पोटो हो, केरसा हो, पंडुया हो, नाराह हो, बोडो हो जोरोंग जीत, जोरोंग जीत, जोरोंग जीत, कोवे हो, जोकों हो, बोरजो हो, रितुई-गुनडुई हो अमर रहे, अमर रहे। वीर बिरसा, सितेन-कान्हो, जयपाल सिंह मुंडा का जय-जयकार करते हुए पुरखों के जेहान को सदैव जिंदा रखने का आह्वान किया। बताते वले कि आदिवासी हो समाज प्रत्येक वर्ष एक जनवरी को काला दिवस के रूप में मनाते हैं। संबोधित करते हुए योगो पूर्ति ने कहा कि भारत की आजादी के करीब पांच महीने बाद जब देश एक जनवरी, 1948 को आजादी के साथ-साथ नए साल का जश्न मना रहा था तब खरसावां आजाद भारत के जलियांवाला

बाग कांड का गवाह बन रहा था। उस दिन साप्ताहिक हाट का दिन था। उड़ीसा सरकार ने पूरे इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया था। खरसावां हाट में करीब पचास हजार आदिवासियों की भीड़ पर ओडिसा मिलिट्री पुलिस गोली चला रही थी। आजाद भारत का यह पहला बड़ा गोलीकांड माना जाता है। रंगो बिरुवा ने कहा कि उस समय झारखंड अलग राज्य की मांग उठान पर था। सरायकेला- खरसावां को उड़ीसा में विलय के बजाय यथावत रखा जाए। झगड़ा इसी बात को लेकर था। ऐसे में पूरे कोल्हान इलाके से बूढ़े-बुढ़िया, जवान, बच्चे, सभी एक जनवरी को हाट- बाजार करने और जयपाल सिंह मुंडा को सुनने- देखने भी गए थे। लोग अलग झारखंड राज्य का नारा लगा रहे हैं। जयपाल सिंह मुंडा के आने के पहले ही भारी भीड़ जमा हो गई थी। इसी दौरान गोली चलाया गया। चंद्रकांत पूर्ति ने कहा कि घटना के बाद इलाके में

साल के पहले दिन विधायक ने की पूजा अर्चना

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। नए साल का पहला दिन कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने परिजनों के साथ ध्वजाधारी धाम स्थित मंदिर जाकर पूजा अर्चना की और शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। जिले वासियों को नए साल की बधाई देते हुए उन्होंने बताया कि साल के पहले दिन परिजनों के साथ भगवान भोले का दर्शन कर आशीर्वाद लिया और सबों के कल्याण की कामना की। साल 2026 में सभी आगे बढ़ें, तरक्की करें। उन्होंने सबके लिए सुख, शांति, समृद्धि और उतम स्वास्थ्य की मंगल कामनायें कीं। पूजा अर्चना के दौरान उनके साथ पति विजय यादव, पुत्र विशाल कुमार के अलावा विनोद कुमार मुन्ना और बिनोद यादव भी मौजूद थे।

गति,

लापरवाही और नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। सड़क तेज रफ्तार के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षित यात्रा के लिए हैं। वाहन चलाने के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना जिम्मेदारी का प्रतीक है, वहीं हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य है।

उपायुक्त ने प्रत्येक नागरिक से आग्रह किया कि वे इस एक माह में कम से कम 10 लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। साथ ही, सोशल मीडिया पर #इड्र#१ड्रूरीखडू#१ और #फर्इरी१रउडू#१डू हैशटैग के साथ अनियंत्रित

मंदिरों से लेकर पार्क-डैम तक उमड़ा जनसैलाब

नवप्रदेश/बोकारो। नववर्ष 2026 के आगमन पर बोकारो जिले में आस्था, उत्साह और उमंग का अद्भुत नजारा देखने को मिला। नए साल की पहली सुबह शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने भगवान की पूजा-अर्चना कर वर्ष भर सुख, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

सुबह से ही श्रीराम मंदिर तथा सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। सामान्य दिनों की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या कहीं अधिक रही। परिवार की खुशहाली और

नए साल के शुभारंभ को लेकर श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ विधिवत पूजा में शामिल हुए। जगन्नाथ मंदिर के पुजारी हिमांशु

दास ने बताया कि इस वर्ष नववर्ष पर अभूतपूर्व संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे हैं, जो लोगों की गहरी आस्था का दशार्ता है।

उपायुक्त ने फुलवारिया गांव में स्वास्थ्य केंद्र का किया अनावरण आदिम जनजाति के समग्र विकास को लेकर बनाई गई बहुस्तरीय कार्य योजना



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने नगर पंचायत कोडरमा अंतर्गत फुलवारिया गांव का दौरा किया। इस अवसर पर उपायुक्त द्वारा फुलवारिया गांव में नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र का अनावरण किया गया। यह स्वास्थ्य केंद्र आदिम जनजाति समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आदिम जनजाति परिवारों के उत्थान एवं विकास को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। फुलवारिया गांव को आदिम जनजाति विकास का एक मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित करने हेतु जिला प्रशासन कोडरमा द्वारा नगर पंचायत कोडरमा के सहयोग से चरणबद्ध कार्य योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि कार्य योजना को तीन भागों में विभाजित किया गया है। प्रथम चरण में आधारभूत संरचनाओं से संबंधित योजनाओं को चिन्हित कर लिया गया है। द्वितीय चरण में स्वास्थ्य केंद्र/अस्पताल के जर्ीणांदार का कार्य किया जा रहा है, जिसके पूर्ण होने के बाद आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। तृतीय चरण के अंतर्गत आदिम जनजाति टोलों की छोटी- छोटी गलियों में फेवर ब्लॉक बिछाने, हार्ड- मास्ट लाइट एवं स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी अस्पताल परिसर के समीप बच्चों के लिए एक छोटा पार्क भी विकसित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि प्रथम दृष्टया आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि आदिम जनजाति समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ते हुए सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पिकनिक स्पोर्ट तिलैया डैम' में उमड़ा जनसैलाब, सैलानियों ने बोटिंग और पिकनिक का लिया भरपूर आनंद



नव प्रदेश विजय कुमार/चंदवारा : नए साल की पहली सुबह चंदवारा के तिलैया डैम के लिए बेहद खास रही। नीले पानी की लहरों और ऊंची पहाड़ियों के बीच बसे इस खूबसूरत पर्यटन स्थल पर हजारों सैलानियों ने एक साथ मिलकर साल 2026 का स्वागत किया। आलम यह था कि डैम की ओर जाने वाली हर सड़क पर केवल पर्यटकों की गाड़ियां ही नजर आ रही थीं।

प्रमुख आकर्षण और गतिविधियां
टापुओं की सैर: डैम के बीच स्थित छोटे-छोटे टापू पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। स्टीमर और बोट के जरिए लोग इन टापुओं पर पहुंचकर फोटो और सेल्फी लेते दिखे। पिकनिक का दौर: चिलचिलाती धूप के बजाय सुहावने मौसम के बीच लोगों ने परिवार के साथ घर से लाए लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। चारों तरफ बज रहे गानों ने माहौल को उत्सव जैसा बना दिया। प्रशासन की 'कमांड' सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इस बार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है: लाइफ जैकेट अनिवार्य बोटिंग के दौरान हर सैलानी के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। शराब पर पाबंदी: परिसर में हुड़दंग रोकने के लिए शराब पीने और ले जाने पर पूरी तरह पाबंदी रही, जिसकी पुलिस ने सघन चेकिंग की। गोताखोरों की तैनाती: किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तट पर प्रशिक्षित गोताखोरों की टीम को तैनात रखा गया। स्थानीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार डैम के पास स्थित चाट -पकौड़े, खिलौने और स्थानीय मछली के होटलों में भारी बिक्री देखी गई। स्थानीय गाइड और बोट संचालकों का कहना है कि नए साल का यह सौजन उनके लिए साल का सबसे बड़ा बिजनेस लेकर आता है।

बोकारो जिले को सुरक्षित, संवेदनशील व जिम्मेदार जिला बनाने का लें संकल्प : उपायुक्त

बोकारो में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार तथा झारखंड सरकार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह- 2026 का आयोजन 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इसका विधिवत शुभारंभ गुरुवार को किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति

मिंज ने बोकारो स्टील सिटी के नया मोड़ से हरी झंडी दिखाकर तीन सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर आमजनो को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से बोकारो को सुरक्षित, संवेदनशील और जिम्मेदार जिला बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि



सड़क सुरक्षा से जुड़ी सेल्फी व फोटो साझा करने की अपील की।

मौके पर उपायुक्त ने नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से सुरक्षित, संयमित एवं आनंदपूर्वक नव वर्ष मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु आइएसएस पदाधिकारी, जिला प्रशासन, परिवहन विभाग एवं सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे। जनवरी 2026 को हज्जीरो फेटेलटी मंथहू के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया है, जिसके तहत जागरूकता रैली, प्रवर्तन अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर, स्कूल-कॉलेजों में कार्यशालाएं एवं ब्लैक स्पॉट सुधार जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बाल सुरक्षा की दिशा में धनबाद जिला के लिए बेहतरीन रहा साल 2025

नवप्रदेश/धनबाद। जिले में .234 बाल विवाह रुकवाए, 170 बच्चों को ट्रैफिकिंग गिरोहों के चंगुल से कराया मुक्त बाल सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में धनबाद जिला के लिए 2025 एक बेहतरीन साल रहा जहां जिला प्रशासन, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सामुदायिक नेताओं के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए सामाजिक संगठन झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने 234 बच्चों को बाल विवाह व ट्रैफिकिंग से 170 बच्चों को बचाया। झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट देश में

बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जरस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है। इस नेटवर्क ने 1 जनवरी 2025 से अब तक देश भर में 1,98,628 बाल विवाह रोके हैं। इसके अलावा, इसी दौरान देश भर से कुल 55,146 बच्चों को ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया जिनमें 40,830 लड़कें व 14,316 लड़कियां थीं। इसके अलावा बच्चों की ट्रैफिकिंग के 42,217 मामले दर्ज कराए गए। झारखण्ड ग्रामीण



विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने कहा कि ह्र्बाल सुरक्षा की दिशा में यह एक ऐतिहासिक साल रहा। जिला प्रशासन, पुलिस, ग्राम पंचायतों और शिक्षकों के साथ मिलकर हमने जमीन

पर जो किया है, उससे आए बदलाव और नतीजे देखे जा सकते हैं। बच्चे समाज के सबसे संवेदनशील अंग हैं और हमें ये याद रखना चाहिए कि ट्रैफिकिंग के पीड़ित बच्चों को मुक्त

नव वर्ष 2026 की शुरुआत गुमला जिले में केवल उत्सव के साथ नहीं, बल्कि जीवन रक्षा' के संकल्प के साथ हो रही है

नवप्रदेश/गुमला/ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों पर जिला प्रशासन और परिवहन विभाग ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 को लेकर अपनी कमर कस ली है। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित और जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में इस बार अभियान का मूल मंत्र सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन रखा गया है।नागफेनी टोल प्लाजा पर चलाया गया जागरूकता अभियान अभियान के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर यान निरीक्षक और सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों ने नागफेनी स्थित टोल प्लाजा पर सघन जांच और जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान टोल संचालक के सहयोग से दर्जनों वाहनों पर रेंडियम स्टीकर लगाए गए। अधिकारियों ने वाहन



चालकों को समझाया कि कोहरे और रात के अंधेरे में ये स्टीकर दुर्घटना रोकने में कितने कारगर साबित होते हैं।1 जनवरी को लेकर अपील की है जब आप पिकनिक के लिए कड़ी चेतावनी नये साल के जश्न और पिकनिक को देखते हुए प्रशासन ने 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। डीटीओ ज्ञान शंकर जायसवाल ने एक वीडियो संदेश जारी कर आम जनता से मार्मिक अपील की है जब आप पिकनिक के लिए निकलते हैं, तो शाम को कोई घर पर आपके लौटने की राह देख रहा होता है। आपको एक

गुमला जिला में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नववर्ष

नवप्रदेश/गुमला/ प्रखंड के कोयल नदी बरसा,टोंगरी साढ़ू पहाड़ पालकोट बसिया सिसई ए भरनो वैनुपुर बिशनपुर घाघरा सभी 12 प्रखंडों में नदियों पहाड़ों उमेश हजारों की सख्या में नव वर्ष के मौके पर प्रखंड क्षेत्र में नववर्ष का उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर नए साल की शुरुआत की।

श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।नववर्ष के मौके पर युवाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। बाजारों में भी वहल-फहल रही, जहाँ मिठाइयाँ और उपहारों की खरीदारी होती नजर आई।नववर्ष के अवसर पुराना शंख घाट, झारखंड छत्तीसगढ़ सीमा शंख नदी पुल,और हीरादाह में सुबह से पर्यटकों की काफी भीड़ थी। स्थानीय प्रशासन की ओर से शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। नववर्ष के अवसर पर रायडीह क्षेत्र में सीहार्द और भाईवादे का वातावरण बना रहा। खासकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। गुमला शहर से नजदीक टोंगरी पहाड़ में इस बार अपेक्षा के अनुकूल भीड़ कम रही क्योंकि जो वहां की सुंदरता पहाड़ों की हुआ करती थी बरसा से पेड़ों की कटाई और पत्थर के क्रेशर ने लोगों का धुल गमं मखर इतना उड़ा दिखाई दिया कि लोगों का चरना फिरना मौज मस्ती खस कर छाला पुराने लोग बताते हैं कि कभी यह जगह बड़ा मनोरम और बहता हुआ पानी एक अलग छटा बिखेरता था लेकिन वह अब खत्म हो गया बहुत अप्सरीस होता है फिर भी हम लोग पुरानी यादों को लेकर वहां को नए दिन पर आते हैं और यहां मिलकर एक दूसरे से पुरानी यादों को ताजा कर लेते हैं .

तेज रफ्तार कार का कहर, महिला और 25 वर्षीय युवक रौंदा

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत सत्यम नगर स्थित धनबाद बरवाअड्डा मुख्य सड़क पर गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार एक कार ने सड़क किनारे खड़े एक महिला और एक युवक को कुचल दिया। हादसे के बाद अनियंत्रित कार सड़क किनारे लगे बिजली के एक पोल से जा टकराई, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में 25 वर्षीय युवक रफीक अंसारी तथा एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। परिजन के अनुसार, दोनों लोग बस पकड़ने के लिए सड़क के किनारे खड़े थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों दूर जा गिरे और कार पोल से जा भिड़ी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए दोनों घायलों को सड़क से उठाया और एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने घटना के लिए तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलावने को जिम्मेदार ठहराया है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश देखा गया। सूचना मिलने पर बरवाअड्डा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार संख्या JEएन10सिंहवल्ड्यू-2386 को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गुमला: घर से गोदरेज का लॉक तोड़कर जेवराल व नकदी उड़ाए, पीड़ित ने थाने में दी लिखित शिकायत

नवप्रदेश/गुमला/ जिले में चोरी की घटनाएँ यधने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत आवासीय इलाके रजा कालोनी का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए गोदरेज का लॉक तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के जेवराल और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित अफताब अंसारी ने थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में बताया कि वह वर्तमान में गुमला के निवासी हैं, जबकि उनका स्थायी घर अम्बवा गांव में है। पारिवारिक कारणों से वह 29 दिसंबर 2025 को अपने परिवार के साथ गांव गए हुए थे। घर की देखरेख के लिए उनकी पत्नी और बच्चे को छोड़कर वे स्वयं बाहर चले गए थे।उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 को सुबह करीब 9:30 बजे जब वे वापस अपने घर गुमला लौटे, तो घर के उत्तर दिशा वाले दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर प्रवेश करने पर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्हें चोरी की आशंका हुई। पत्नी को बुलाकर गोदरेज और लॉकर की जांच की

कराना सिर्फ पहला कदम है। अगर हमें गरीबी, बाल मजदूरी और बाल विवाह के दुष्कर को तोड़ना है तो इसके लिए पुनर्वास, बच्चों का वापस स्कूलों में दाखिला और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील परिवारों की सहायता आवश्यक है। देश भर में फैले जेआरसी के सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर .हमारी संस्था 2030 तक भारत से बाल विवाह के खतमे, बाल मजदूरी, बाल विवाह या बाल वेश्यावृत्ति के शरदे से दूसरे जिलों व राज्यों में ले जाए गए बच्चों की

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा कतरासगढ़ स्टेशन का किया गया औचक निरीक्षण

नवप्रदेश/धनबाद। गुरुवार को धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन विकास कार्यों, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया। यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे सभी कार्यों को निष्पार्ति समग्र-शीत में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कतरासगढ़ स्टेशन को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्टेशन के रूप में विकसित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड सरकार द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा में किए गए बड़ेफेबदल के बाद नए साल के पहले दिन धनबाद जिले को तीन नए युवा और ऊर्जावान अधिकारी मिले हैं। नगर आयुक्त, अमुखड़ पब्लिकवरी (एसडीएम) और उा विकास आयुक्त (डीडीसी) के पद पर तीन आईएएस अधिकारियों ने गुरुवार को विविध अपना पदभार ग्रहण किया। निम्न आंशोध प्रभाव का नगर आयुक्त, धनबाद नगर निगम केपद पर लोक्ेश बारी अमुखड़ पब्लिकवरी (एसडीएम) धनबाद और संन राज उा विकास आयुक्त (डीडीसी) धनबाद केपद पर, शामिल हैं। पदभार ग्रहण करने केबाद नए नगर आयुक्त आंशोध प्रभाव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नगर निगम की कार्यक्षमता को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की योजनाओं का लोग सीधे नागरिकों तक समग्र पर पहुंचाया जाएगा। सिस्टम को सिंटेजन सेंट्रिक बनाया जाएगा, ताकि आम जनता को दमरों के बचकर न काटने पड़े। उन्होंने कहा इससे पहले वे छत्तरपुर में एसडीएम के पद पर तैनात थे जहाँ उन्होंने सफ़तापूर्वक विधानसभा चुनाव संपन्न कराया था।

नवप्रदेश/धनबाद। गुरुवार को धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन विकास कार्यों, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया। यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे सभी कार्यों को निष्पार्ति समग्र-शीत में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कतरासगढ़ स्टेशन को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्टेशन के रूप में विकसित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नए साल पर धनबाद में प्रशासनिक फेरबदल

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड सरकार द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा में किए गए बड़ेफेबदल के बाद नए साल के पहले दिन धनबाद जिले को तीन नए युवा और ऊर्जावान अधिकारी मिले हैं। नगर आयुक्त, अमुखड़ पब्लिकवरी (एसडीएम) और उा विकास आयुक्त (डीडीसी) के पद पर तीन आईएएस अधिकारियों ने गुरुवार को विविध अपना पदभार ग्रहण किया। निम्न आंशोध प्रभाव का नगर आयुक्त, धनबाद नगर निगम केपद पर लोक्ेश बारी अमुखड़ पब्लिकवरी (एसडीएम) धनबाद और संन राज उा विकास आयुक्त (डीडीसी) धनबाद केपद पर, शामिल हैं। पदभार ग्रहण करने केबाद नए नगर आयुक्त आंशोध प्रभाव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नगर निगम की कार्यक्षमता को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की योजनाओं का लोग सीधे नागरिकों तक समग्र पर पहुंचाया जाएगा। सिस्टम को सिंटेजन सेंट्रिक बनाया जाएगा, ताकि आम जनता को दमरों के बचकर न काटने पड़े। उन्होंने कहा इससे पहले वे छत्तरपुर में एसडीएम के पद पर तैनात थे जहाँ उन्होंने सफ़तापूर्वक विधानसभा चुनाव संपन्न कराया था।

धनसार थाना क्षेत्र में देर रात भीषण आग, दो दुकानें जलकर खाक

नवप्रदेश/धनबाद। धनसार थाना क्षेत्र के नई दिल्ली रोड इ के समीप देर रात दो दुकानों में अचानक भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर आग लगी, उसके ठीक बगल में टाटा मोटर्स का शोरूम स्थित है। यदि समय रहते फायर ब्रिगेड और टाटा मोटर्स के कर्मचारियों की सतर्कता नहीं होती, तो एक बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। सूचना मिलने पर धनसार थाना प्रभारी मोनोहर कसमाली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग की सूचना मिलते ही झरिया और धनबाद दोनों फायर स्टेशन को अलर्ट किया गया, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

गुमला जंगल में पति ने पत्नी को टांगी से काट डाला, शव के काले दो टुकड़े

नवप्रदेश/गुमला। जिले के गुरदरी थाना क्षेत्र अंतर्गत आमती पानी इलाके से एक बेहद सनसनीखेज और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति ने मामूली विवाद के बाद अपनी ही लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाली पत्नी की टांगी से निर्मम हत्या कर दी। हत्या इतनी बर्बर थी कि मृतका के शव को आधे हिस्से से टूट काट दिया गया।साथ ही दाहिना आंख को काट कर निकाल दिया है। मृतका की पहचान 19 वर्षीय असिया कुमारी

उर्फ पूजा के रूप में हुई है। जबकि आरोपी पति का नाम बुधेश्वर असुर बताया जा रहा है। दोनों पति-पत्नी आदिम जनजाति समुदाय के सदस्य थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी दोनों साथ में जंगल लकड़ी लाने गए थे। इसी दौरान किसी मामूली बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पति ने अपने पास मौजूद टांगी से पत्नी पर ताबड़तोड़ चार कर दिया। बताया जाता है कि आरोपी ने पूजा के शरीर पर कई चार किए और



फिर उसके शव को बीच से काटकर दो टुकड़े कर दिए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके पर ही मौजूद रहा। घटना की सूचना मिलते ही गुरदरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आमती जंगल में खून से सना शव देख पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

एम्बुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल, गुमला भेजा, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है। इस बीच पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति बुधेश्वर असुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार

कर ली है। हालाँकि, हत्या के पीछे विवाद के असली कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। घटना को लेकर इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। लोग यह समझ नहीं पा रहे हैं कि पति-पत्नी के बीच ऐसा क्या हुआ कि मामला इतनी भयावह परिणति तक पहुंच चुका।मामले को लेकर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि

घटना की पुष्टि हुई है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता चल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह वारदात जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर रही है।

रंची, शुक्रवार , 02 जनवरी 2026 — 05

तोपचाची झील यानि धरती का स्वर्ग,प्रकृति की अद्वितीय सुंदरता के लिये विख्यात हैं : विजय झा

तोपचाची झील एक खूबसूरत और दिलचस्प पर्यटन स्थल हैं – गौतम मंडल **धनबाद/तोपचाची।** विघाडा के पूर्व अर्धचंद्र सह प्रसिद्ध समाजसेवी विजय झा और मंडल समाज के केंद्रीय महासचिव सह सामाजिक कार्यकर्ता गौतम मंडल आदि तोपचाची झील पहुँच कर कहा की तोपचाची झील की शांति और आकर्षण इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाते हैं, सन 1915 में पारसनाथ पहाड़ियों की दलानो की खुदाई करके इस कृत्रिम झील का निर्माण किया गया था, सालोभर धनबाद और उसके आसपास के इलाके में पानी की आपूर्ति की जाती हैं, श्रीमान विजय झा ने कहा की तोपचाची झील अपनी शांति,हरियाल और प्राकृतिक सौंदर्य के लिये जानी जाती हैं,यहाँ सालो भर सैलानियों का आना जाना लगा रहता हैं।

कातरास के अंकित शर्मा ने श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बन कातरास का मान बढ़ाया

कातरास. कपड़ा पट्टी कातरास पंचगढ़ी बाजार के रहने वाले अंकित कुमार शर्मा पुत्र स्व नंदकिशोर शर्मा ने कर्मचारी चयन आयोग, एसएससी द्वारा आयोजित संयुक्त स्नातक स्तरीय सीजीएल परीक्षा में सफलता हासिल कर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के पद पर चयनित हुये है. श्री शर्मा अपने परिवार का मान बढ़ाते हुये कातरास क्षेत्र का नाम रोशन किया है. इनके सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है. बड़े भाई पंडित अजय शर्मा ने बताया कि मेहनत, लगन और अनुशासन तथा श्री श्याम बाबा की कृपा का परिणाम है. अंकित कुमार शर्मा दूनर पब्लिक स्कूल धनबाद से टेन सीजीपीए, टाटा डीवीपी जियुआ से इंटर 91.8% ग्रीनाइट्टी सिंदरी से बीटेक मैकेनिकल इंजीनियर किया है. टाटा कंपनी में एक वर्ष अपनी सेवा भी दी है. मौके पर माता कमला देवी, भाई पंडित अजय शर्मा,दितिका शर

पूर्व के विवाद में दो गुटों की झड़प, कुल्हाड़ी से हमला, तनाव

धनबाद। धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पासी धौड़ा में खाने पीने के विवाद और आपसी रंजिश आज हिंसक रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि पूर्व में हुए आपसी विवाद को लेकर आज दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक युवक रवि पासी को कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है। घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग उग्र हो गए और एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान जमकर तोड़फोड़ भी हुई। जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट और पत्थरबाजी के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू करने के लिए लोगों को खदेड़ा तब जा कर मामला शांत हुआ। वहीं किसी भी अनहोनी की आशंका को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस पर मामले की जांच में जुटी है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं, घायल रवि पासी के पिता बद्री पासी ने बताया कि वेटा घर के बाहर चाय पी रहा था, अचानक कुछ लोग उसपर हमला कर दिया, जिससे वह घायल को गया।

नए साल के स्वागत के साथ धनबाद के पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का सैलाब उमड़ा

धनबाद: नए साल के स्वागत के साथ धनबाद के पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ा है. धनबाद का बिरसा मुंडा पार्क सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना. एक ओर जहाँ दिन भर धनबाद की सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा तो वहीं बिरसा मुंडा पार्क में सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ी. टॉय ट्रेन, लेजर शो और म्यूजिकल फाउंटेन ,झूलो, पैलर पथ और कैटन जैसी सुविधाएँ लोगों को खूब परफं आयी.बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने खूब मस्ती की. ईडवेंचर फन पार्क में बुल राइड, रॉप कोर्स, प्लवावर पार्क, जिप लाइन जैसे पन गेम बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी आकर्षित कर रही है.वहीं प्लवावर पार्क में देश और विदेश के कई आकर्षक फूलों ने लोगों को तरोताजा किया.धनबाद के बिरसा मुंडा पार्क में काफी कुछ बदलाव हुआ है कई नई सुविधाएँ शुरू की गई हैं किन्ती लोगों को यह पार्क अब लोगों के लिए पार्क पिकनिक और मनोरंजन का एक पसंदीदा स्थान बन गया है, जहाँ बच्चे-बड़े सभी परिवार के साथ मौज-मस्ती करने आ रहे हैं।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के इसीएल रीजनल कमेटी कार्याली अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने खिलाड़ियों से की मुलाकात
कुमारधुबी: कुमारधुबी स्थित माही क्रिकेट क्लब में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के इसीएल रीजनल कमेटी कार्यकारी अध्यक्ष अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने खिलाड़ियों से औपचारिक मुलाकात कर क्रिकेट की बारीकियों के बारे में बताया। साथ ही क्लब की खिलाड़ी समृद्धि कुमारी का अंडर -15 झारखंड स्टेट में चयन होने पर बधाई दी। वहीं क्लब के कोच भागीरथ रजवार व कुंदन रजक ने मैदान संबंधित परेशानी मसलन पानी की दिक्कत वगैरह आदि की बात शशि तिवारी के समक्ष रखी, उस पर शशि तिवारी ने जल्द ही क्रिकेट क्रिट व गेन्द सहित मैदान की पानी की समस्या को जल्द दूर करने के आश्वासन दिया. मैदान पर विजेन्द्र शर्मा, मनीष कुमार, मुन्ना ठाकुर, विजय मुंडा आदि उपस्थित थे।

नारी शक्ति फाउंडेशन एवं दिव्यांग शक्ति फाउंडेशन द्वारा 51 दिव्यांग जनों के बिच किया गया कम्बल का वितरण:

धनबाद/महुदा। बढ़ती ठण्ड को देखते हुए आज नारी शक्ति फाउंडेशन एवं दिव्यांग शक्ति फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय कंचनपुर में 50 दिव्यांग एवं जरूरतमंदों के बिच ठण्ड से बचाव के लिए कम्बल का वितरण किया गया.कम्बल का वितरण मुख्य अतिथि समाजसेवी शंकर रवानी ने किया, उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए शंकर रवानी ने कह कि अत्येक वर्ष कि तरह इस वर्ष भी ठण्ड को देखते हुए कम्बल का वितरण किया जा रहा आवश्यकता पड़ने पर और कम्बल का वितरण किया जायेगा,उन्होंने इस बढ़ती ठण्ड से बुजुर्गों को विशेष रूप से ख्याल रखने कि आवश्यकता है, मौके पर नारी शक्ति फाउंडेशन के ममता रवानी विनोद महेन्द्र,अनुज कुमार,निदेशक दीपा रवानी,गुलनजा बानो,दिव्यांग शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट के अशोक भूथी,गोबिंद रजक,रजकपुर महतो,राज कुमार रवानी,उम्रेंद्र रवानी,अजय पासवान,आशा देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद जापन झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के नइमुदीन अंसारी ने किया।

मोटरसाइकिल-टैपो की आमने-सामने भिड़ंत में तीन घायल, गुमला रेफर

गुमल/घाघरा थाना क्षेत्र के देवाकी बाबाश्याम पुल के पास बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मोटरसाइकिल और टैपो के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर से मौके पर चीख–पुकार मच गई।जानकारी के मुताबिक, घायल देवाकी गांव के निवासी टैपो से घाघरा बाजार जा रहे थे। विपरीत दिशा से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने टैपो को जबरदस्त ठोक दिया। बरतीला उराव को पैर व चेहरे पर गंभीर चोट आई, वीरसमनी मुनि को आंशिक चोट लगी, जबकि लेटका टैपो के प्रताप उराव भी गुरी तरह जख्मी हुए। स्थानीयों ने हादसे की सूचना पर 108 एंबुलेंस बुलाई। घायलों को घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में गुमला सरदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह स्थिर दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट बन चुका है। पहले भी यहां कई हादसे हो चुके हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए कृति नियंत्रण के दोस उपाय किया जाय।

जारी प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नववर्ष

गुमला। जारी प्रखंड में नववर्ष 2026 का स्वागत हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। नववर्ष के अवसर पर प्रखंड अंतर्गत सभी प्रमुख पिकनिक स्थल सैलानियों से खराबखबर भरे रही। डीजे की धुन पर युवा, युवतियाँ और बच्चे थिरकते नजर आए। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 के स्वागत को लेकर खासकर युवा वर्ग एवं बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे प्रखंड में जश्न का माहौल बना रहा। जारी प्रखंड के तिगारा, कमलपुर, रुद्रपुर, भिखमपुर, जारी जामटेडी, रंगारी, श्रीनगर सहित अन्य गांवों के युवा एवं बच्चे बड़ी संख्या में पिकनिक स्थान पर पहुंचकर नववर्ष का आनंद लेते दिखे। लावा नदी स्थित जारी पुल के किनारे आनंदकों, युवतियों एवं बच्चों ने जमकर नाच-गान किया और स्वादिष्ट भोजन का उपभोग करते हुए नववर्ष की शांतिपूर्ण दृढ़ा से संपन्न करने को लेकर जारी थाना प्रभारी शनि कुमार प्रताप दल-बल के साथ सभी पिकनिक स्थलों पर लगातार गश्ती एवं पेट्रोलिंग करते नजर आए। थाना प्रभारी को निदेशानुसार पुलिस बल द्वारा सफाई बरती गई ताकि किसी भी प्रकार की

संपादकीय

समय का चक्र और लालू

समय सबसे शक्तिशाली होता है। यह किसी भी ताकतवर इंसान को परास्त कर सकता है। समय को पहचान कर जो उसका सदुपयोग करता है, वही अपने लक्ष्य की ओर निर्बाध गति से बढ़ता है। इंसान समझता है कि वह ताकतवर है, लेकिन वास्तव में समय ही व्यक्ति को घुमाता है। समय का पहिया जब घूमता है तो इंसान फिर से वहाँ पहुँच जाता है। समय का सफ़र की शुरुआत की थी। यह बात बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव पर सटीक लागू होती है। 48 वर्ष बाद लालू यादव और राबड़ी देवी उसी स्थान पर वापस लौट रहे हैं, जहाँ से उन्होंने अपने गृहस्थ जीवन और राजनीतिक सफ़र की शुरुआत की थी। जी हाँ, अब लालू यादव का परिवार सरकार आवास छोड़कर अपने निजी आवास में रहेगा, जहां यह परिवार 1977 में रह रहा था। लालू यादव अपने जीवनकाल में पैतृक गांव की झोपड़ी, वेटेरिनरी कॉलेज का सर्वेट क्वार्टर, वेटेरिनरी कॉलेज परिसर के पीछे का निजी घर, दिल्ली का सांसद आवास, दिल्ली का रेल मंत्री का बंगला, पटना में बिहार के मुख्यमंत्री का बंगला और फिर सर्कुलर रोड का सरकारी बंगला... होते हुए फिर वहीं पहुँच रहे हैं, जहां से वे चले थे। समय का पहिया घूमा और वे उसी वेटेरिनरी कॉलेज के पास वापस पहुँच गए जहां से राजनीति की डगर पर उन्होंने चलाया शुरू किया था। लालू यादव पिछले दो दशकों से अपने परिवार के साथ पटना के सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड में रह रहे थे। उनको अब यह आवास छोड़ना है। बिहार के पूर्व मख्खमंत्री लालू यादव और उनकी पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अब किसी अन्य सरकारी आवास में जाने के बजाय अपने निजी घर में रहना चाहते हैं। उनका निजी आवास पटना के महुआ बाग में बन रहा है। इस महलनुमा विशाल बंगले का निर्माण पूरा होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा इसलिए फिलहाल लालू का परिवार पटना के वेटेरिनरी कॉलेज कैम्पस के पीछे स्थित अपने पुराने निजी भवन में रहेगा। यह पटना के वेटनरी कॉलेज कैम्पस के पीछे स्थित उनका वही पुराना निजी घर है, जहां रहते हुए लालू यादव ने सरकारी नौकरी की, जहां उनका परिवार बना, जहां उन्होंने संघर्ष किया और राजनीति की सीढ़ियां चढ़ीं। विभिन्न सरकारी आवासों में रहते हुए लालू यादव पर चारा घोटाला, आईआरसीटीसी घोटाला जैसे कई मामलों में भ्रष्टाचार के दाग लगे। लालू ने सता के शिखर देखे तो जेल की कोठरियां भी देखीं। दुनिया ने सता में रहते लालू के तेवर भी देखे, तो उनको कोर्ट-कचहरी का चक्कर काटते भी देखे। हालांकि लालू और राबड़ी देवी को एक अन्य सरकारी आवास आवंटित किया गया है, लेकिन वे उसमें नहीं जाना चाहते हैं। अब लालू-राबड़ी का सरकारी आवासों में मोह भंग हो चुका है। लालू और राबड़ी अपना शेष बुढ़ापा अपने निजी घर में ही बिताना चाहते हैं। इसलिए अब तक महुआ बाग वाला घर तैयार नहीं हो जाता है, तब तक वे अपने पुराने निजी घर में ही रहेगे। यह समय है... समय का पहिया घूमता रहता है।

सुधा

ब्रिटिश हुकूमत ने बिछाए थे कांटे,

नेहरू ने लगाये फूल-पौधे

गुलजार हुसैन

मैंने एक फूल जो सीने पे सजा रखा था उसके पदों में तुम्हें दिल से लगा रखा था कैफी आज़मी की यह पंक्तियाँ सुनते ही देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की मुस्कुराती हुई वह तस्वीर आँखों के सामने आ जाती है, जिसमें उनके कोट में लगा लाल गुलाब खुशबू बिखेर रहा है। उनके गुलाब की खुशबू से मुंबई भी अछूती नहीं रह सकी थी। मुंबई की धरती उनके स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी गतिविधियों की ही गवाह नहीं है, बल्कि उनके एक प्थार भी रिशते के अनमोल फलों को भी समेटे हुए है। मुंबई (तब बॉम्बे) में उनकी छोटी बहन कृष्णा नेहरू का घर था। वह राजनीति से दूर साहित्य की दुनिया में खोई रहती थीं, लेकिन जब भी नेहरू और उनके क्रांतिकारी साथी उनके सामने आते, तो वह उनका खूब मनोबल बढ़ाती। नेहरू को जो खाना पसंद होता, उसका भी इंतजाम रखती थीं। बाद 1942 की है, जब भारत छोड़ो आंदोलन के प्रस्ताव के संबंध में 7 अगस्त को मुंबई में काँग्रेस की कार्यसमिति की बैठक होनी थी। नेहरू मुंबई आए और बहन कृष्णा के घर उठे। रूसी लेखक अ. गोरव और व. जिम्पायिन ने अपनी पुस्तक नेहरू: एक जीवनी में लिखा है कि नेहरू के आने के बाद घर में देर रात तक फोन बजता रहता और बैठकखाने में लोगों की भीड़ लगी रहती थी। आखिरकार जब भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ा प्रस्ताव पास हो गया, तो ब्रिटिश हुकूमत की भैंहें तन गईं। पहले तो नेहरू और मौलाना आजाद को यह पता चला था कि पुलिस कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार कर दक्षिण अफ्रीका भेजने की साजिश कर रही है, लेकिन बाद में पुलिस ने अपनी योजना बदल दी। आखिरकर 9 अगस्त, 1942 को सुबह 5 बजे ही नेहरू को गिरफ्तार करने पुलिस आ धमकी। पुलिस अफसर को नजरअंदाज करते हुए नेहरू नाश्ता करने बैठ गये। पुलिस अफसर गुस्से में झरलाता रहा, लेकिन नेहरू ने तो ठान लिया था कि अपनी बहन कृष्णा के यहां का नाश्ता किए बगैर वे उठने वाले नहीं हैं। अपना मनपसंद नाश्ता कॉर्न फ्लेक्स खाने के बाद उन्होंने अपनी बहन को धन्यवाद कहा और बाहर आकर पुलिस की गाड़ी में बैठ गया। नेहरू और उनके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के बाद मुंबई को छवनी में बदल दिया गया था। उस दिन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (तब विक्टोरिया टर्मिनस) की ओर जाने वाले सारे रास्तों को बंद कर दिया गया था। इसके बाद नेहरू और उनके साथियों को अहमदनगर किले में कैद कर दिया गया। नेहरू ने गौर किया कि यहां किले की थपरीली दीवारें तो थीं, लेकिन हरियाली नहीं थी। एक सुखे पेड़ के अलावा वहां कोई पेड़-पौधा नहीं था। इसके बाद नेहरू ने किले के अहाते में पौधे लगाने के लिए क्पायियां बनानी शुरू कर दी। बाद में जब नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने, तब भी उनके मन से पेड़-पौधों से लगाव तनिक कम नहीं हुआ। वे प्रधानमंत्री बनने के बाद मुंबई आए और पौधा लगाकर आरे मिलक कॉलोनी की शुरुआत की।



गिरीश्वर मिश्र

यह बड़ी उपलब्धि है कि अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितता की विकट परिस्थितियों में भी भारत की जीडीपी की दर विश्व में अव्वल दर्ज की बनी रही। खुदरा मंहगाई दर भी आठ साल में सबसे कम रही। अच्ची पैदावार, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमत ने इस परिस्थिति में मदद की। घरेलू बाजार में धेरलू निवेशक हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत बने।

पिछले एक दशक में भारत की छवि निश्चित रूप से एक सशक्त देश के रूप में निखरी है। नए वर्ष में इस बदलते देश के भविष्य के बारे में सोचते हुए ऐसे देश की समृद्ध प्राचीन सभ्यता और आधुनिक राष्ट्र राज्य की संकल्पना दोनों को ध्यान में रखना होगा। लोक की स्मृति में अभी भी नैतिक और न्यायपूर्ण शासन के लिए राम-राज्य की अमिट छवि कायम है। न केवल साल 1950 में लागू भारत के संविधान की मूल प्रति में मौलिक अधिकारों वाले अध्याय के आरंभ में राम का चित्र अंकित किया गया था बल्कि साल 2025 में अक्टूबर तक 22 करोड़ लोग अशेष्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं। साल के अंत तक यह संख्या 50 करोड़ हो सकती है। इसलिए जहाँ वैश्वीकरण के अनुकूल आकांक्षाओं को ध्यान में रखना होगा वहीं नैतिकता, सत्य तथा अहिंसा जैसे मानदंडों की भी चिंता करनी है। राम-राज्य धर्म का राज्य की संकल्पना है जिसमें समता, समानता और सौहार्द के साथ सबका हर तरह से कल्याण मुख्य लक्ष्य है। देश की प्रगति की कथा को देखें तो उसमें निरंतरता और परिवर्तन दोनों के तत्व मिलते हैं। आज हमें संयत होकर यह विचार करना होगा कि विकसित भारत कैसा होगा? यह प्रश्न इसलिए भी जरूरी है कि भारतीय समाज में अनेक प्रकार की बहुलताएँ हैं जिसे लेकर कुछ विचारक देश की मौलिक एकता को प्रश्नांकित करते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय दृष्टि में बहुलता अंतर्निहित



सरकार व उसकी एजेंसियों के साथ करीबी तालमेल से काम करते हुए जेआरसी ने अप्रैल 2023 से अब तक 4,00,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। पढ़ाई छोड़ चुकी सात लाख से अधिक लड़कियों को पिछले एक साल में दोबारा स्कूलों में दाखिल कराया और आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील 19 लाख परिवार सरकारी योजनाओं से जोड़े गए। सबसे बड़ी बात ये है कि बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में सभी धर्मों के तीन लाख से भी अधिक धर्मगुरुओं को जोड़ा गया है।



पवन पांडेय

एमआईटी के एक अध्ययन में भी पाया गया कि एआई पर ज्यादा निर्भरता दिमाग की सक्रियता, याददाश्त और मौलिक सोच को कम कर सकती है। किसी भी चीज की अति तो बुरी होती ही है। दोष एआई के इस्तेमाल में नहीं, बल्कि इस्तेमाल के तरीके में है।

कानूनी तंत्र और सामाजिक जागरूकता से आ रहा है बड़ा बदलाव

आदर्श सिंह

तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले के एक गांव की अपर्णा (बदला हुआ नाम) सिर्फ 15 साल की थी लेकिन उसके घर वालों ने उसकी शादी तय कर दी और सगाई की तैयारियां चल रही थीं। बच्ची ने मां-बाप से मिन्नतें की लेकिन वे फैसला बदलने को तैयार नहीं हुए। अपर्णा ने अपनी पीड़ा बयान करते हुए एक चिट्ठी लिखी और अपने दोस्तों को सौंप दिया। दोस्तों ने वो चिट्ठी जिले में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे एक नागरिक समाज संगठन कंजर्वेशन ऑफ नेचर थ्रू रूरल अवेकनिंग (सीओएनएआरई) और पुलिस को सौंप दी। तत्काल सीओएनएआरई, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्य उसके घर आए और माता-पिता से हलफनामा लिया कि वे 18 साल से पहले अपर्णा की शादी के बारे में सोचेंगे भी नहीं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में आधी रात को चाइल्ड हेल्पलाइन के पास फोन आया, अभी, इसी वक्त जिले के एक मैरिज हॉल में एक बाल विवाह हो रहा है। एक नाबालिग बच्ची की शादी 37 साल के आदमी से कराई जा रही थी। तुरंत गैरसरकारी संगठन शक्ति वाहिनी की विक्रि्टम सपोर्ट कोऑर्डिनेटर और बोडीओ के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले दूल्हा और उसका परिवार भाग चुके थे। फिर भी, दूल्हे, उसके पिता, पंडित और बिचौलिए के खिलाफ पीसीएमए के तहत एफआईआर दर्ज हुई। झारखंड के धनबाद के बाघमारा प्रखंड की दसवीं की छात्रा वंदना (बदला हुआ नाम) के घर वालों ने 26 साल के एक लड़के से उसका विवाह तय कर दिया। लेकिन बच्ची बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे एक गैरसरकारी संगठन झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की पहल किशोरी मंडल से जुड़ी थी। उसने संगठन को घटना की जानकारी दी और घर वालों से साफ कर दिया कि अगर उसकी जबरदस्ती शादी की गई तो वह थाने में शिकायत करेगी।



अकेली या असहाय नहीं होती बेटियां

ये सिर्फ कहानियां ही नहीं हैं, बल्कि देश में आया एक बदलाव है, जिसे देखने से हम चूक गए। वो बदलाव ये है कि आज हमने देश में एक ईको सिस्टम यानी वह परिवेश व तंत्र बना लिया है, जहां आज कोई बेटी अकेली या असहाय नहीं होती। कानूनी उपायों से उसकी सुरक्षा से लेकर पुनर्वास तक का एक तंत्र विकसित हुआ है। आज बेटियों में यह हिम्मत आई है कि रिवाजों या परंपरा की ओट में किसी दोगुनी उम्र के आदमी से विवाह को चुपचाप स्वीकार कर लेने के बजाय आवाज उठा सकती हैं। यह सरकार के साथ मिलकर नागरिक समाज संगठनों की मेहनत है कि आज कोई बच्ची अपना बाल रोकने के लिए आवाज उठाए तो कोई शिक्षक, कोई धर्मगुरु, कोई पुलिस अफसर या कोई गैरसरकारी संगठन का सामुदायिक कार्यकर्ता उसकी मदद को तैयार रहता है।

2006 में 47.4 थी देश में बाल विवाह की दर

यदि स्मृतियों पर जोर डालें तो पता चलता है कि 2006 में देश में बाल विवाह की दर 47.4 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य

सर्वे- (2019-21) के आंकड़ों के अनुसार देश में बाल विवाह की दर 23.3 प्रतिशत थी। लेकिन नागरिक समाज संगठनों व सरकार के प्रयासों से अब बदलाव की रफ्तार तेज हो चुकी है। ईंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की पहल पर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहैवियरल चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) की सितंबर 2025 में जारी रिपोर्ट टिपिंग प्वाइंट टू जीरो : एंवर्डेस टूवाइर्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया के अनुसार देश में लड़कियों की बाल विवाह की दर में 69 प्रतिशत, जबकि लड़कों के बाल विवाह की दर में 72 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश के पांच राज्यों के 757 गांवों में किए गए इस सर्वे में महाराष्ट्र में शत प्रतिशत लोगों ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता को सबसे प्रभावी उपाय करार दिया तो बिहार में 99 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में जानकारी है और यह उन्हें गैर सरकारी संगठनों से मिली।

'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन फॉर चिल्ड्रेन'

आज देश के हर राज्य, हर जिले में ऐसी कहानियां मिल जाएंगी, जहां किसी गैरसरकारी संगठन ने किसी गांव में जागरूकता शिविर लगाया और वहीं किसी ने

एआई की परीक्षा का साल हो सकता है 2026



इतनी मेहनत तो करनी ही होगी

एमआईटी स्लोन के शोध के अनुसार, एआई अपनाने की शुरुआत में प्रदर्शन थोड़ा घटता है, पर लंबे समय में नतीजे बेहतर होते हैं, क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षण और कार्यप्रवाह बदलने में समय लगता है, जिससे तालमेल बिठाना मुश्किल होता है। यह पैटर्न ह्वाएल एडॉप्शन के-जर्वेकू कहलाता है। इसीलिए यह

पाया गया कि एआई अपनाने वाली कंपनियां दीर्घकाल में इसका इस्तेमाल न करने वाली कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन करने लगीं। कुछ कर्मचारी भले ही कहें कि कम गुणवत्ता वाले एआई-जनित काम की वजह से उन्हें उसे सुधारने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन इतनी मेहनत तो करनी ही होगी।

तभी तो बढ़ेगा भरोसा

बड़े लैंग्वेज मॉडल और जेनेरेटिव एआई

उन्हें बताया कि गांव में एक बाल विवाह होने जा रहा है। कई बार खुद लड़कियां सामने आकर अपना बाल विवाह रूकवाने के लिए मदद मांगती हैं। और इस तरह से बाल विवाह रुकते हैं।

250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों का नेटवर्क

और इन सभी कहानियों के पीछे नाम आता है जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों का यह नेटवर्क पिकेट रणनीति पर अमल करते हुए बाल विवाह की दृष्टि से संवेदनशील 451 जिलों में जमीन पर काम कर रहा है। इसमें नीति, निवेश, क्षमता निर्माण, ज्ञान, तकनीक और ईको सिस्टम या एक ऐसे परिवेश का निर्माण, जो बाल विवाह को हतोत्साहित करे, शामिल हैं। सरकार व उसकी एजेंसियों के साथ करीबी तालमेल से काम करते हुए जेआरसी ने अप्रैल 2023 से अब तक 4,00,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। पढ़ाई छोड़ चुकी सात लाख से अधिक लड़कियों को पिछले एक साल में दोबारा स्कूलों में दाखिल कराया और आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील 19 लाख परिवार सरकारी योजनाओं से जोड़े गए।

सबसे बड़ी बात ये है कि बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में सभी धर्मों के तीन लाख से भी अधिक धर्मगुरुओं को जोड़ा गया है। आज गांवों में मंदिरों-मस्जिदों के बाहर लगे बोर्ड या दीवारों पर लिखा देखा जा सकता है कि बाल विवाह गैरकानूनी है और वहां बाल विवाह संपन्न नहीं कराए जाते। जेआरसी ने अगले एक साल में एक लाख गांवों को बाल विवाह से मुक्त कराने का लक्ष्य रखा है और नेटवर्क की पहुंच के मद्देनजर यह संभव है। कानूनी हस्तक्षेप, बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रोत्साहन उपायों पर जोर, धर्मगुरुओं सहित पूरा समाज व पूरी सरकार का साथ मिलकर सुरक्षा से पहले रोकथाम, अभियोजन से पहले सुरक्षा और रोकथाम के लिए निवारक उपाय के तौर पर अभियोजन की नीति पर अमल ने आज एक ऐसे बाल संरक्षण तंत्र की नींव रखी है जहां अब कोई बच्चा न अकेला है और न असहाय है। यही 2025 का हासिल है।

उपकरण भी अब इन्सानों जैसे कन्टेंट बना सकते हैं। इसके अलावा, इंटरनेट पर इन्सानों की तुलना में एआई द्वारा लिखे लेख ज्यादा हो चुके हैं, जिससे औसत, देहशय या गलत सामग्री बढ़ने का जोखिम है। एक अध्ययन में पाया गया कि इन्सान अब चार में से सिर्फ एक बार ही उच्च-गुणवत्ता वाले डीपफेक वीडियो पहचान पाते हैं। यही कारण है कि ऑनलाइन भरोसे को बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए इन्सानी निगरानी जरूरी है। एआई का क्षेत्र जितना बढ़ेगा, उसके समांतर इन्सानी हस्तक्षेप भी उसी मात्रा में बढ़ता जाएगा।

जेन-जी अब तो सोचना शुरू करे

एक अमेरिकी सर्वे के अनुसार, 47 फीसदी जेन-जी हर हफ्ते जेनेरेटिव एआई का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें 41 प्रतिशत चिंतित हैं कि इससे उनकी सोचने की क्षमता कमजोर हो सकती है। एमआईटी के एक अध्ययन में भी पाया गया कि एआई पर ज्यादा निर्भरता दिमाग की सक्रियता, याददाश्त और मौलिक सोच को कम कर सकती है। किसी भी चीज की अति तो बुरी होती ही है। दोष एआई के इस्तेमाल में नहीं, बल्कि इस्तेमाल के तरीके में है। एआई को अपना सहायक मानें, तो कोई मुश्किल नहीं होगी, लेकिन अगर जेन-जी अपनी आंख बंद कर चलेगी, तो मैनहोल में गिरने से एआई थोड़े बचाएगा।

राष्ट्रीय नवोन्मेष और विकसित भारत की संकल्पना



व्यापारिक दृष्टि से अहित किया। अमेरिका द्वारा पारस्परिक सीमा शुल्क अर्थात् 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया। इन सबको देखते हुए स्थिति संभालने के लिए भारत ने कई कदम उठाए गए। जोएसटी की दरें कम की गईं और श्रम कानून में बदलाव लाया गया। यह बड़ी उपलब्धि है कि अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितता की विकट परिस्थितियों में भी भारत की जीडीपी की दर विश्व में अव्वल दर्जे की बनी रही। खुदरा मंहगाई दर भी आठ साल में सबसे कम रही। अच्ची पैदावार, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमत ने इस परिस्थिति में मदद की। शेरार बाजार में घरेलू निवेशक हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत बने। आयकर रिटर्न के दाखिलों और कर-संग्रह में भी सुधार हुआ। कई देशों के साथ व्यापार समझौते भी किए जा रहे हैं। बिजली, शहरी विकास, खनन, और वित्तीय सेवा के क्षेत्र में नई पहलें की गईं। भारत एक बड़ी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और अनुमान है कि साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। आशा की जाती है कि आर्थिक उन्नति से आम जनों का जीवन स्तर ऊँचा उठेगा। सामाजिक संरचना की दृष्टि से मध्यम वर्ग का आकार बढ़ रहा है जिससे खपत और शहरीकरण में वृद्धि और गरीबी में कमी के आसार बन रहे हैं। देश में बुनियादी ढांचा विस्तृत और सुदृढ़ हो रहा है। खासतौर पर डिजिटल ग्रैयोगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), अंतरिक्ष विज्ञान, मेट्रो और बुलेट ट्रेन आदि को लेकर प्रगति दर्ज हो रही है। मेड इन

ईंडिया के तहत मैयूफेब्रकिंग, आईटी, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप्स में भारी वृद्धि से रोजगार के नए अवसर बढ़ रहे हैं। उत्पादन क्षेत्र में प्रगति की संभावना दिख रही है और स्वदेशी विकास की नीति अपनाई जा रही है। अनुमान है कि 5-जी और रोजगार के अधिक अवसर, सामाजिक केशलेस होते जाएँगे। अब ऑनलाइन खरीददारी और ओटीटी प्लेटफॉर्म तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। भविष्य में एआई का प्रभुत्व और भी बढ़ेगा। उसी के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा बड़ा महत्वपूर्ण सरोकार बन रहा है। इन सबके साथ यह भी याद रखना जरूरी है कि देश का भविष्य सिर्फ आर्थिक उन्नति के सूचकों तक सीमित नहीं किया जा सकता। आर्थिक विकास को केवल वृद्धि दर के अर्थ में ही नहीं, बल्कि रोजगार के अर्थिक अवसर, सामाजिक गतिशीलता और आम जनों के जीवन-स्तर में उन्नति के संदर्भ में भी देkhना होगा। जनसंख्या का विशाल आवार और सबके लिए गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए हमारी अर्थव्यवस्था को ज्ञान-केन्द्रित और सामाजिक रूप से ज्यादा उत्तरदायी भी बनाना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए अवसर भी है पर हम अपनी सीमाओं को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। उदाहरण के लिए युवा भारत को

अक्सर एक पूंजी के रूप में घोषित किया जाता है पर इसके लिए कौशल, स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश करना होगा। कौशल और शिक्षा में निवेश करना होगा। कौशल और शिक्षा में कमी और युवाओं में बेरोजगारी के चलते समाज में असंतोष पैदा हो रहा है। यद्यपि नई शिक्षा नीति के दस्तावेज में अनेक प्रावधान हैं पर उसकी विसंगतियों को दूर कर उनके कार्यान्वयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। उपेक्षा और साधनों के अभाव में विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था में गिरावट चिंताजनक है। शिक्षा की पहुँच, उसकी गुणवत्ता और प्रासंगिकता को लेकर संशय बना हुआ है। इसी तरह सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की मुश्किलें भी बढ़ी हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। अभी भी महिला श्रम-भागीदारी निम्न दर पर है। विकास रोजगार-रहित या अल्प-रोजगार वाला हो रहा है, आय और संपत्ति की असमानता भी बढ़ी है और अनैपचारिक क्षेत्र की असुरक्षा बनी हुई है। साथ ही जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय विषमताएँ भी हैं। उनको दूर कर बहिष्कृत जनों का समावेश जरूरी होगा अन्यथा राजनैतिक दलों द्वारा सामाजिक ध्रुवीकरण कर चुनौती लाभ लेने का चक्र चलता रहेगा। हमें बहुलता और राष्ट्रीय एकता को जोड़ना आवश्यक है। देश की सांस्कृतिक विरासत का स्वागत-संवर्धन और वैश्वीकरण के आकर्षण के बीच भी तनाव है जिसका समाधान जरूरी है।



नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। मला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुःख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही करीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दूरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस

कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलेंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत हैं। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयिनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन सेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक संवत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने

78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पत्ती और मिश्री खाने की परम्परा है।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती – बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल करीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के

अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रूप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर ‘ग्रेगोरियन कैलेण्डर’ है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन सभ्यताओं में से एक चीन के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई है।

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगाने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियाँ प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तराँ, व पब इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियाँ करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की बरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाएँ दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियाँ गाड़ियों से भिड़ने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियाँ एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सरबोबर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्कृतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन परायी।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीज़र द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सन्वत् का प्रचलन अंग्रेजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अंग्रेजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरुआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनेस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीज़र तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकतिसा दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो

मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीज़न ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए। जिस प्रकार ईस्वी सन्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सन्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सन्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरा का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सुक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं। इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त प्छते हैं। और तो और, देश के बड़े से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम

उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं –

ऐतिहासिक महत्त्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन – उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस – प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना – शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात्, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरु अंगददेव प्रगटोत्सव – सिख परंपरा के द्वितीय गुरु का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस – समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस – सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरुणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस –विक्रमादित्य की भाति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन – 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा० केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस – राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्त्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उर्म्म, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।
- क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फेक स्वदेशी अपनाएँ और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वास्तव्य नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14–15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनेखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्धा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13–14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमशेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की र्स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

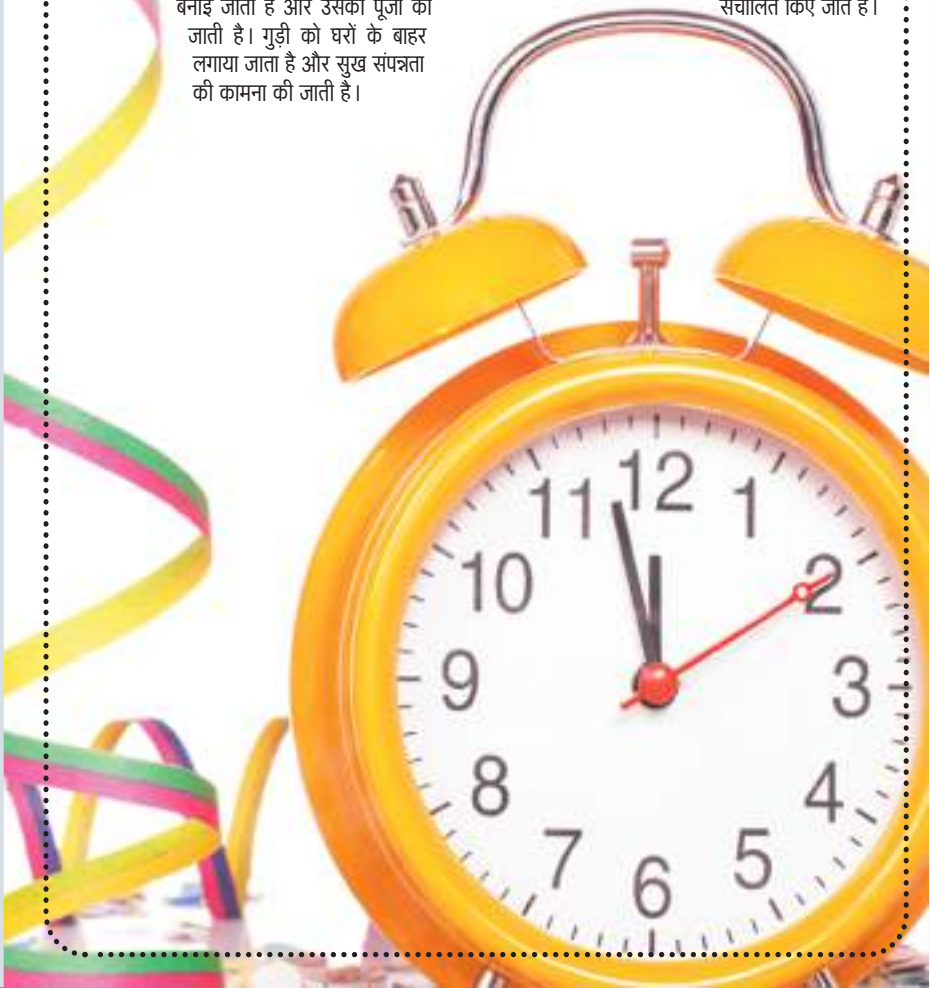
सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहे तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयों बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।



संक्षिप्त समाचार

राशिद की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी अफगानिस्तान की टीम



काबुल ।

अफगानिस्तान ने अगले माह भारत और श्रीलंका मे होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान की दी गयी जबकि इब्राहिम जादरान को उपकप्तान बनाया गया है। अफगान टीम को विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। विश्वकप के लिए फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों को ही इससे पहले हुए बांग्लादेश दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी टीम में शामिल किया गया है। नवीन इससे पहले एशिया कप के दौरान फिटनेस कारणों से टीम से बाहर थे। वहीं युवा मिस्ट्री स्पिनर गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। उनके साथ इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी को भी रिजर्व सूची में शामिल किया है।। अफगान टीम पिछली बार टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उसने तब न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को पराजित किया था। वहीं विश्वकप से पहले अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच 19 से 22 जनवरी तक टी-20 सीरीज खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा के साथ रखा गया है।

धोनी ने थाईलैंड में परिवार के साथ मनाया नये साल का जश्न



बैंकाक ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने नया साल का जश्न थाईलैंड में मनाया। इस दौरान पूरा परिवार उनके साथ था। इस समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया में आयी हैं। इसमें धोनी पिरवार सहित नए साल का जश्न मनाते दिख रहे हैं। इस तस्वीर में धोनी की बेटी जीवा भी उनके साथ है। जीवा को देखकर प्रशंसक बेहद खुश दिखे। साक्षी ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं। उसमें वह थाईलैंड के फुकेट शहर में दिख रहे हैं। इसमें धोनी का पूरा परिवार जश्न मनाता दिख रहा है। उनकी पत्नी साक्षी ने सोशल मीडिया पर सभी को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल ही खेलते हैं। उसमें भी उनका अंतिम सत्र नजर आ रहा है। हर आईपीएल के बाद उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ने लगती हैं। धोनी ने आईपीएल के लिए काफी अभ्यास भी किया है। रंची के जेएससीए स्टेडियम में उनकी तैयारी के बहुत सारे वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया में आये थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में विराट बना सकते हैं रिकार्ड



नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। सहवाग और पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक-दिवसीय में सबसे अधिक छह-छह शतक लगाये हैं। वहीं विराट के नाम भी अभी छह शतक ही हैं। ऐसे में आने वाली तीन मैचों की सीरीज में एक और शतक लगाते ही वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। ऐसा करके वह सहवाग और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। विराट का कीवी टीम के खिलाफ रिकार्ड अच्छा रहा है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में 1600 से ज्यादा रन बनाये हैं। विराट ने कीवी टीम के खिलाफ अब तक एकदिवसीय की 33 पारियों में 55.23 की शानदार औसत और 95.50 के स्ट्राइक रेट से 1,657 रन बनाए हैं। पिछले कुछ समय से वह अच्छी लय में हैं। जिससे इस सीरीज में काफी रन बनाने की उम्मीद है। कोहली का न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक स्कोर नाबाद 154 रन रहा। कोहली ने अब तक कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में छह शतक के अलावा नौ अर्धशतक भी लगाए हैं। वहीं सहवाग ने 23 मैचों में जबकि पोंटिंग ने 50 मैचों में छह शतक लगाये हैं जबकि विराट ने अपने शतक 26 एकदिवसीय में लगाये हैं।

इसके अलावा महान सचिन तेंदुलकर ने 41 मैचों में पांच शतक जबकि श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने इतने ही शतक 45 मैचों में लगाये हैं। विराट एकदिवसीय विश्वकप 2027 को देखते हुए इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी बनाये रखना चाहेंगे। हाल ही में उन्होंने घरेलू क्रिके में शतक और अर्धशतक लगाये हैं।

इस साल 18 एकदिवसीय में खेलते नजर आयेंगे रोहित और विराट



नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शीर्ष क्रम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस साल 18 मैचों में नजर आयेंगे। रोहित और विराट ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। आजकल एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं। ऐसे में इन्हें कम ही मैच खेलने को मिलते हैं। इससे इनके प्रशंसकों को इसके मैचों का बेसब्री से इंतजार रहता है। ऐसे में नये साल 2026 में भारत कितने एकदिवसीय मैच खेलेगा और कितने मैचों में विराट और रोहित खेलते हुए नजर आएंगे, इसका प्रशंसकों को इंतजार रहता है। साल 2026 कैलेंडर के लिए भारतीय टीम का कार्यक्रम जारी हो गया है। भारतीय टीम इस साल भी बहुत व्यस्त रहने वाली है।

सिडनी टेस्ट के बाद खेल को अलविदा कह देंगे ख्वाजा : क्लार्क

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अंतिम एशेज टेस्ट के साथ ही अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा संन्यास की घोषणा कर देंगे। क्लार्क ने कहा कि ख्वाजा पिछले काफी समय से अपनी फार्म और फिटनेस से जुझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इस सीरीज में ख्वाजा ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ट्रेविस हेड और जेक वेदराल्ड के अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें तीनों ही मैचों में मध्यक्रम में उतरना पड़ा था।

साल 2025 ख्वाजा के लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने उसमें 10 टेस्ट मैचों में कुल 614 रन बनाए थे। ख्वाजा की बहुत उम्र के कारण भी वह संन्यास के करीब हैं। उन्हें पर्थ में पहले एशेज टेस्ट के दौरान करियर में पहली बार पीठ में अकड़न भी हुई थी। चोट के कारण वह दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

हालांकि, उन्होंने तीसरे मैच में वह वापसी करने में सफल रहे थे। वह मेलबर्न में चौथे मैच में फ्लॉप रहे। क्लार्क का मानना है कि उस्मान को सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ख्वाजा का फेयरवेल टेस्ट होगा। मुझे उम्मीद है कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

शमी की न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम में हो सकती है वापसी



मुम्बई ।

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अब नये साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से अवसर मिल सकता है।

शमी को साल 2025 में लगातार उपेक्षा हुई, इसके अलावा वह फिटनेस को लेकर भी परेशान रहे

जिससे भी उनके भविष्य को लेकर सबाल उठे हैं। वहीं शमी ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से फार्म और फिटने को साबित किया।

वहीं माना जा रहा है कि इस गेंदबाज को इस साल चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। इससे 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए उनकी वापसी होने की उम्मीद है।

आईसीसी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे हैरी और स्टार्क

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को लाभ हुआ है। ब्रुक तीन पायदान की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। एशेज में मेलबर्न क्रिकेट टेस्ट में खेली शानदार पारी से उसके अंक बढ़ें हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भी सीरीज में अच्छे गेंदबाजी के कारण रैंकिंग में 843 अंक लेकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं भारतीय टीम के जसप्रीत बुमराह 879 अंक लेकर पहले नंबर पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करें तो हैरी ने एमसीजी मैदान में विपरीत हालातों में 59 रनों की पारी खेली थी, इस प्रकार उन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी कारण वह



आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर आये हैं । ब्रुक के अब 846 अंक हो गये हैं। अब उनसे आगे केवल जो रूट हैं। रुट के 867 रेटिंग अंक हैं और वह शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की रैंकिंग भी इस मैच से बेहतर हुई है। तेज गेंदबाज जोशुआ टॉम ने मेलबर्न में कुल सात विकेट लिए थे जिससे वह 13 स्थान ऊप आकर

30वें नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि गस एटकिंसन चार स्थान के लाभ के साथ ही 3वें और ब्रायडन कासं छह स्थान उछलकर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इससे उनकी रैंकिंग भी गिरी है। केवल मिचेल स्टार्क को ही सीरीज में अच्छी गेंदबाजी करने के कारण लाभ मिला है। अब मार्श

मिस्टर धर्म सिर्फ एक शख्स नहीं थे वह एक एहसास थे जो छूटता नहीं

नई दिल्ली,।

नए साल के दिन अभिनेता धर्मेन्द्र की आखिरी फिल्म इक्कीस रिलीज हुई। धर्मेन्द्र को याद कर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की भी आंखें नम हो गईं। केबीसी 17 के हालिया एपिसोड में बिग-बी ने धर्मेन्द्र को याद किया।

उनके साथ फिल्म शोले में काम करने के एक्सपीरियंस को साझा किया। केबीसी के सेट पर फिल्म इक्कीस की स्टारकास्ट आई थी। अमरस्य नंदा, जयदीप अहलावत ने भी धर्मेन्द्र को ट्रिब्यूट दिया। एपिसोड की शुरुआत धर्मेन्द्र को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। धर्मेन्द्र के बारे में बोलते वक्त अमिताभ इमोशनल हो गए। उनकी आवाज कांप रही थी। बिग-बी ने कहा कि इक्कीस हम



सबके लिए धर्मेन्द्र की आखिरी अनमोल निशानी है, जिसे वह करोड़ों लोगों के लिए छोड़ गए। एक आर्टिस्ट अपनी आखिरी सांस तक एक्टिंग ही करना चाहता है। यही मेरे दोस्त, मेरे परिवार और मेरे आदर्श मिस्टर धर्मेन्द्र देओल ने किया। मिस्टर धर्म सिर्फ एक शख्स नहीं थे। वह एक एहसास थे और एहसास कभी छोड़ता नहीं। ये याद बन जाता है, दुआएं बनकर साथ

रहता है, जो आपको आगे बढ़ाता रहता है। अमिताभ बच्चन ने फिल्म शोले की शूटिंग का किस्सा शेयर करते हुए कहा कि एक बार हम बैंगलोर में शूटिंग कर रहे थे। जैसा कि मैं कहता हूं धर्मेन्द्र के पास शा-रीरिक ताकत थी, वह पहलवान थे, उनकी फिजीकल ताकत का उ-दाहरण मैंने भी देखा था। मौत के सीन में मेरे अंदर जो तड़प आपने स्क्रीन पर देखी, वह रियल थी

भारतीय टीम के लिए बेहद व्यस्त है साल 2026

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम का इस साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है। भारतीय टी को इसमें टी20 विश्वकप से लेकर एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज खेलनी हैं जिसमें टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदानों के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी खेलना होगा जिसमें उसके प्रदर्शन की कड़ी परीक्षा होगी। भारतीय टीम का प्रदर्शन गत वर्ष मिला जुला था। उसमें टीम ने टी-20 और एकदिवसीय क्रिकेट में सफलता हासिल की थी पर टेस्ट में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। साल 2025 में भारतीय टीम ने जहां चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीते थे। वहीं उसे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों घर पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। साल 2025 भारतीय क्रिकेट टीम के लिए बहुत व्यस्त रहा। अब इस साल भारतीय टीम 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के साथ सीरीज से सत्र की शुरुआत करेंगे। इस साल भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती टी-20 विश्वकप बरकरार रखना रहेगा। भारतीय क्रिकेट टीम का साल 2026 का कार्यक्रम जनवरी 2026: न्यूजीलैंड का एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारत दौरा 11 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, पहला एकदिवसीय (चंडोदरा)।4 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, दूसरा एकदिवसीय (राजकोट)।18 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, तीसरा एक-दिवसीय (इंदौर)। 21 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, पहला टी20 (नागपुर)।23 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, दूसरा टी20 (रायपुर)।25 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, तीसरा टी20 (गुवाहाटी)।28 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, चौथा टी20 (विशाखापत्तनम)।31 जनवरी: भारत और न्यूजीलैंड, पांचवां टी20 (तिरुवनंतपुरम)। फरवरी-मार्च 2026: टी20 विश्व कप 7 फरवरी: भारत और यूएसए (मुंबई) 12 फरवरी: भारत और नामीबिया (दिल्ली) 15 फरवरी: भारत बनाम पाकिस्तान (कोलंबो) 18 फरवरी: भारत बनाम नीदरलैंड

ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित , मिचेल मार्श होंगे कप्तान



हमें भारत और श्रीलंका में होने वाले विश्वकप के लिए टीम का चयन करना आसान हुआ है। इससे हमें बेहतर टीम चयन में

है, लेकिन उम्मीद है कि ये सभी विश्व कप के लिए उपलब्ध रहेंगे। विश्वक के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ग्रुप बी में

पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब स्टार्क के पास अंतिम टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन कर नंबर एक पर आने का अवसर है। अभी उनके और नंबर एक पर चल रहे जसप्रीत बुमराह के बीच केवल 36 रेटिंग अंक का अंतर बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ही युवा गेंदबाज स्काट बोर्लैंड ने एमसीजी में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे वह रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ये गेंदबाज पहली बार 800 रेटिंग अंक से ऊपर पहुंचा है। वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिा (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम अंक तालिका में 85.71 फीसदी अंक लेकर नंबर एक पर बरकरार है जबकि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

क्योंकि उन्होंने मुझे इतनी जोर से पकड़ा था कि दर्द अपने आप मेरी एक्टिंग में दिख रहा था। मेरी वहां पर नेचुरल एक्टिंग थी। इक्कीस के डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने भी धर्मेन्द्र को याद कर कहा कि मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि उन्होंने मेरी आखिरी फिल्म में काम किया। उनकी आखिरी परफॉर्मेंस कुछ ऐसी थी जिसमें वे बेहद शानदार थे। अभिनेता जयदीप अहलावत ने भी धर्मेन्द्र के साथ काम का अनुभव सा-झा किया। वह कहते हैं कि मुझे सोभाग्य मिला कि मेरे ज्यादातर सीन उनके साथ थे। सेट पर काम की लगा ही नहीं कि मैं इतने बड़े हीरो के साथ हूं। वे परिवार जैसे लगते थे। फिल्म इक्कीस इसमें अमिताभ बच्चन के नाती अमरस्य नंदा लीड रोल में हैं। इस मूवी से अमरस्य ने बड़े पद पर डेब्यू किया है। उनके अपोजिट सिमर भाटिया ने काम किया है।



कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूँढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है।

अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विशेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है

यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ

इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को



कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उडेमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने,

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

‘सुपरमैथ्स’ छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे विरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूदी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अज्ञान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की ‘अबेकस प्रेंचाइज़ी’ बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।



एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही परिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापोनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये

पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है। एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइन स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन कू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन कू कहते हैं। केबिन कू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन कू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन कू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन कू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सबजेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन कू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन कू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन कू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन कू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरूरी होते हैं।

कोर्सज

- डिप्लोमा इन केबिन कू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन कू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन कू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन कू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन कू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन कू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन कू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रुपये से 50,000 रुपये तक हो सकती है। हालाँकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रुपये से 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



वैकल्पिक चिकित्सा में कैरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्ने थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगों, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्जूपल्सर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शारीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कैरियर-



स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थेरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में

काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंप्लायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्जूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टोटमेट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनिकल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बेंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

जंग खत्म करना चाहता हूं..... लेकिन कमजोर या अस्थायी शांति समझौता मंजूर नहीं



कीव,।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने नए साल के संदेश में कहा कि वहां युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं, लेकिन कमजोर या अस्थायी शांति समझौते को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करने वाले हैं। जेलेंस्की ने कहा कि करीब 4 साल से चल रहे युद्ध ने यूक्रेनियों को थका दिया है, लेकिन थकान का मतलब हार या संरेड नहीं है। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ़ इसतरह के समझौते पर ही साइन करने को तैयार हैं, जो मजबूत हो और जिससे यूक्रेन में लंबे समय के लिए शांति ला सके। जेलेंस्की ने कहा कि शांति समझौता लगभग 90 प्रतिशत तैयार है। यूक्रेनी इलाके पर कंट्रोल और लोगों की सुरक्षा गारंटी को लेकर 10 प्रतिशत समझौता नहीं हो पाया है। यूक्रेन चाहता है कि मौजूदा सीमाएं ऐसी ही बनी रहें, जबकि रूस डोनबास और दूसरे दक्षिण-पूर्वी हिस्सों पर और अधिकार चाहता है।

वैंकूवर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया का पायलट ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में फेल, पायलट को हिरासत में लिया वैंकूवर,।

कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया का पायलट 23 दिसंबर 2025 को दिल्ली के लिए उड़ान भरने से पहले हिरासत में लिया गया। पायलट के मुंह से शराब की गंध आने पर एयरपोर्ट के स्टाफ ने अधिकारियों को सूचना दी।

यह फ्लाइट एआई 186 वैंकूवर से दिल्ली के लिए थी, जो वियना के रास्ते जाती थी और विमान को चार पायलटों की टीम संचालित कर रही थी। स्थानीय अधिकारियों ने शिकायत मिलने पर सीसीटीवी फुटेज खंगाली और पायलट की पहचान कॉकपिट क्रू के सदस्य के रूप में की। मौके पर ब्रेथ एनालाइजर (बीए) टेस्ट किया गया, जिसमें पायलट फेल हो गया। इसके बाद उन्हें आगे की जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया। यात्रियों के लिए राहत की बात यह रही कि एयर इंडिया ने तुरंत वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की। चार-पायलटों वाली यह अल्ट्रा लॉन्ग-हॉल फ्लाइट लगभग दो घंटे की देरी से रवाना हुई। विमान सुरक्षित रूप से विमान पहुंचा, जहां से दूसरे सेट के क्रू ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

वहीं एयर इंडिया ने मामले को गंभीरता से लिया है।

पायलट को कुछ दिन बाद दिल्ली लाया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले की रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजी गई है, जो अपनी स्तर पर जांच कर रहा है। एयरलाइन ने कहा कि जांच पूरी होने तक पायलट को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है और नियमों के उल्लंघन पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में आमतौर पर प्री-फ्लाइट बीए टेस्ट अनिवार्य नहीं होते, लेकिन एयर इंडिया ने सुरक्षा के लिए कई अंतरराष्ट्रीय स्टेशनों पर रैंडम प्री-फ्लाइट टेस्ट लागू किए हैं। घरेलू उड़ानों में ये टेस्ट जरूरी हैं। पायलट समुदाय में इस घटना को लेकर हैरानी है। कई पायलटों का कहना है कि शराब के अलावा आप्टरशेव, माउथवॉश या कुछ दवाओं में मौजूद अल्कोहल की वजह से भी बीए टेस्ट फेल हो सकता है। नियम के अनुसार, तीन बार टेस्ट फेल होने पर पायलट का लाइसेंस रद्द हो सकता है, इसलिए क्रू बेहद सतर्क रहता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पायलट ने वास्तव में शराब का सेवन किया था या केवल ड्यूटी-प्री शॉप पर शराब खरीदते समय गंध की वजह से मामला सामने आया। जांच के नतीजों के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

महंगाई और रियाल को लेकर ईरान में जारी आंदोलन में कूदा जेन-जेड



तेहरान,।

ईरान में 28 दिसंबर से शुरू हुआ महंगाई और मुद्रा रियाल की गिरावट के खिलाफ विरोध अब सरकार विरोधी आंदोलन में बदलता नजर आ रहा है। यहां तीसरे दिन भी विरोध-प्रदर्शन जारी रहे। बुधवार रात कई शहरों में लोग सड़कों पर उतरे और सरकार विरोधी तथा राजशाही समर्थक नारे लगाए। इन नारों में सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई पर निशाना था। अब इस आंदोलन में जेन-जेड भी कूद गया है।

ईरान में जनता का विद्रोह 1989 की इस्लामिक क्रांति की याद दिला रहा है। 46 साल पहले की अगर बात की जाए तो जिस तरह इस्लामिक कट्टरपंथियों ने देश की चुनी हुई सरकार का तख्ता पलटा उसी तरह आवा़म ईरान की सत्ता को फिर उखाड़ फेंकने पर आमादा नजर आ रही है। ईरान में मुल्ला लीव ईरान जैसे नारे सरेआम लग रहे हैं। बता दें जन क्रांति को 3 साल पहले हयातुल्ला अली खामई ने ताकत के दम पर दबा दिया था वो ईरान में अब नए न्यायों के साथ सड़कों से लेकर सोशल मीडिया पर उबाल मार रही है। मुल्लाओं को ईरान छोड़ना होगा। ईरान में तानाशाही बर्दाश्त नहीं जैसे नारे लग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय और व्यावसायिक इलाके विरोध के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। वहीं 17 प्रांतों में स्कूल-फ़स्तर बंद कर दिए गए हैं। कई जगह प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। विवि पर छापे भी मारे गए। रिपोर्टों के मुताबिक कुछ स्थानों पर आंसू गैस और लाइव फायर का भी इस्तेमाल किया गया। तेहरान में एक छात्र गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर हमले की धमकी ने भी असंतोष को ओर हवा दी है। सरकार ने कम से कम 17 प्रांतों में स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को बंद करने की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ईरान के कई शहरों-मशहद, इस्फहान, जंजान, हमदान और मालार्ड में प्रदर्शन फैल गया हैं और आर्थिक कुप्रबंधन से त्रस्त ईरानियों के साहस की सराहना की।

विदेश

स्विट्जरलैंड के स्की रिसॉर्ट शहर में बार में धमाका, कई लोगों की मौत



क्रांस-मोंटाना ।

स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध और लगजरी अल्पाइन स्की रिसॉर्ट शहर क्रांस-मोंटाना में गुरुवार तड़के एक बार में हुए जोरदार विस्फोट से ह-ड़कंप मच गया। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि

अनेक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्वि्स पुलिस के अनुसार, यह विस्फोट स्विट्जरलैंड के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र वालिस कैंटन में स्थित क्रांस-मोंटाना शहर के एक बार में हुआ। वालिस कैंटन पुलिस

के प्रवक्ता गेटन लाथियोन ने बताया कि ह्अज्ञात कारणों से एक विस्फोट हुआ है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और कई लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई है। हालांकि, अब तक मृतकों और घायलों की सटीक संख्या का आधिकारिक खुलासा नहीं किया

बांग्लादेश में पाकिस्तान की संसद के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक से मिले जयशंकर

ढाका,।

ढाका में बुधवार को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके अंतिम संस्कार में भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शामिल हुए। वहीं, बेगम जिया की अंतिम विदाई के कार्यक्रम से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्री ने ढाका में ही पाकिस्तान की संसद (नेशनल असेंबली) के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक से भी मुलाकात की है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका है, जब दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की स-र्वजनिक रूप से यूं आमने-सामने की मुद्रा वाली मुलाकात हुई है। वहीं, इस घटना को भारत और पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम

सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने अपनी एक एक्स पोस्ट में ढाका में हुई भारत-पाकिस्तान के नेताओं की मुलाकात की जानकारी दी है। उधर, डॉ.जयशंकर की एक्स पोस्ट के मुताबिक, ढाढाका पहुंचने पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक निजी पत्र (शोक) सौंपा गया। भारत सरकार और देश की जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि हमने विश्वास जताया कि बेगम खालिदा जिया की दूरदृष्टि और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास का मार्गदर्शन करेंगेह।

मोहम्मद युनुस ने एक्स पोस्ट में बताया, पाकिस्तान की संसद के



अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने 31 दिसंबर को ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भाग लेने से

ठीक पहले भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर से मुलाकात की और हाथ मिलाकर उनका अभिवादन किया। उन्होंने ही

ईरान में डॉलर के मुकाबले सबसे नीचे गिरा रियाल, केंद्रीय बैंक प्रमुख ने दिया इस्तीफा महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, बड़े शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू

तेहरान,।

ईरान एक बार फिर गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट के दौर से गुजर रहा है। देश की मुद्रा रियाल ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सबसे निचला स्तर छू लिया है, जिससे तेहरान और कई बड़े शहरों में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। यह आंदोलन पिछले तीन सालों में ईरान का सबसे बड़ा जनाक्रोश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के केंद्रीय बैंक के प्रमुख मोहम्मद रजा फरजोन ने बढ़ते दबाव के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाल की कीमत गिरकर करीब 14 लाख 20 हजार प्रति डॉलर तक पहुंच गई, जिससे बाजारों में अफरा-तफरी मच गई। राजधानी के मुख्य बाजार सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार के आस-पास व्यापारी और दुकानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं और दूसरों से भी कारोबार ठप करने की अपील



की है। सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि तेहरान के अलावा इस्फहान, शिराज और मशहद जैसे प्रमुख शहरों में भी विरोध प्रदर्शन जारी हैं। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने आंसू गैस के गोले छोड़े गए। यह प्रदर्शन 2022 में महसा जीना अभिनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद शुरू हुए हफ्तों तक चले

बड़े आंदोलन के बाद अब तक का सबसे बड़ा माना जा रहा है। इस बार के आंदोलन के पीछे बढ़ती महंगाई और गिरती मुद्रा की कीमत प्रमुख कारण है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में महंगाई दर 42 फीसदी से ऊपर पहुंच गई, जबकि खाद्य पदार्थों की कीमतें 70 फीसदी तक बढ़ गई हैं। ईरान की

आर्थिक संकट की जड़ें अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में भी हैं। 2015 के परमाणु समझौते के दौरान रियाल की स्थिति मजबूत थी, लेकिन 2018 में अमेरिका के समझौते से बाहर निकलने के बाद आर्थिक दबाव में लगातार वृद्धि हुई। हाल के क्षेत्रीय तनाव और नए प्रतिबंधों ने संकट को ओर गहरा कर दिया है।

पुतिन के घर पर यूक्रेन का हमला कायराना हरकत, रूस इसका जोरदार जवाब देगा

मास्को,।

रूसी राष्ट्रपति के आवास पर हुए ड्रोन हमलों के बाद राष्ट्रपति पुतिन भड़क गए हैं और यूक्रेन को दहलाने के लिए सेना को आदेश दे दिया है। पुतिन ने साफ कहा है कि जो यूक्रेन की तरफ से अटेक हुआ है वो कायराना हरकत है। रूस इसका जोरदार जवाब देगा और रूस की सेना के टारगेट पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की होंगे यानी पुतिन के घर पर हमले का जवाब जेलस्की पर हमला करके दिया जाएगा। यूक्रेनी हमले के कुछ ही घंटे बाद पुतिन ने टेलर भी दिखा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन का यह इतिहास रहा है कि जिसने भी उनसे गद्दारी की या दुश्मनी करके नुकसान पहुंचाया उसको जवाब भी

धमाकेदार तरीके से दिया गया क्योंकि पुतिन के घर पर हमले के बाद रूसी सेना ने यूक्रेन के कई बड़े शहरों पर भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। रूस ने यूक्रेन के ऑर्किव को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसमें कई लोगों की मौत भी हुई है। इसके अलावा डोनेस्टिक में भी रूसी सेना की ओर से हमले की खबर है। यहां भी भारी नुकसान हुआ है और कई लोग मारे गए हैं।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने बेलारूस में अपनी बैलेस्टिक मिसाइल प्रणाली और तैनात करने की घोषणा कर दी है। मंत्रालय ने इसकी तस्वीरें जारी की है। बेलारूस में ऑर्शनिक मिसाइल पहले ही पहुंच चुकी है। कुल 10 ऐसी मिसाइलें प्रणालियां बेलारूस में तैनात की जाएंगी।

बेलारूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ओसैनिक की मारक दूरी 5000 किमी तक है, जिससे यूरोप का अधिकतर हिस्सा निशाने में आ सकता है। रूस ने दावा किया है कि यह मिसाइल पोलैंड के एयरवेज तक 11 मिनट में और नाटो के मुख्यालय तक 17 मिनट में पहुंच सकती है।

रूस के ड्रोन ने यूक्रेन के ओडेसा शहर में एक रिहाइशी इमारत और विद्युत ग्रिड को निशाना बनाया और इस हमले में तीन बच्चों समेत छह लोग घायल हुए। दूसरी ओर रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने र-विचार देर रात और सोमवार तड़के लंबी दूरी के 91 ड्रोनों से उत्तर-पश्चिमी रूस में स्थित रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर हमला करने का

प्रयास किया। यूक्रेनी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि यह शांति वार्ता में प्रगति को बाधित करने की एक चाल है। रूसी वायु सेना के मेजर जनरल ने बुधवार को दावा किया था कि ड्रोन ने यूक्रेन के सूभी और चेर्नोहिव क्षेत्रों से उड़ान भरी थी। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशको ने साफ कहा है कि उनके देश में कुल 10 ओरिस्टनिक मिसाइल सिस्टम तैनात किए जाएंगे। वहीं पुतिन ने अपने टॉप जनरल्स के साथ बैठक में ऐलान किया कि यह सिस्टम अब एक्टिव ड्यूटी में आ चुके हैं। इतना ही नहीं पुतिन ने यूक्रेन के और इलाकों पर कब्जे के इरादे को भी दोहरा है जिससे संकेत मिलते हैं कि युद्ध और तेज हो सकता है।

तिब्बत में फिर भूकंप ने डराया, झटकों से दहशत में आ गए लोग



ल्हासा।

तिब्बत में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि राहत की बात ये है कि यहां किसी तरह कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, 31 दिसंबर को दोपहर 3:26 बजे तिब्बत में 3.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर बताई गई है। एनसीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि भूकंप का केंद्र अक्षांश 30.04 उत्तर और देशांतर 89.83 पूर्व में स्थित था। फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले 21 दिसंबर को भी तिब्बत में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, कम गहराई पर आने वाले भूकंप अपेक्षाकृत ज्यादा खतरनाक होते हैं, क्योंकि इनके झटके सीधे सतह तक पहुंचते हैं और नुकसान की आशंका बढ़ जाती है। तिब्बती पठार दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। तिब्बत और नेपाल उस प्रमुख भूगर्भीय फॉल्ट लाइन पर स्थित हैं, जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट लगातार यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है।

पाकिस्तान की संसद के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक से मिले जयशंकर

पर काफी चर्चा हो रही है। यहां बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला ऐसा मौका है जब भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष नेताओं के बीच इस अंदाज में मुलाकात हुई है। इससे पहले चीन के तियानजिन में हुए एससीओ देशों के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के दौरान या उसके बाद ली गई ग्रुप फोटो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाना तो दूर उनकी तरफ देखा भी नहीं था। वहीं, वर्तमान में आतंकवाद को लेकर भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति भी सख्ती के साथ बरकरार है।बताते चलें कि पूर्व में हुए एशिया कप मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने भी पाकिस्तान के खिलाड़ियों से दूरी बनाते हुए उनसे हाथ नहीं मिलाया था। इस पर काफी विवाद भी हुआ था।

पुतिन के घर पर हमले में नया दिवस्ट, यूएस को यूक्रेनी हमले का नहीं मिला सबूत



मांस्को।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। रूस ने हाल ही में यूक्रेन पर बेहद संगीन आरोप लगाते हुए सनसनी मचा दी है कि कीव ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निजी आवास को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया है। रूस के आधिकारिक बयानों के अनुसार, सोमवार को यूक्रेन ने मांस्को के उत्तर में स्थित नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के स्थायी निवास पर 91 लंबी दूरी के ड्रोनों से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि, अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन दावों की सत्यता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं, विशेषकर अमेरिका की एक हालिया रिपोर्ट ने रूस के इन दावों को बड़ा झटका दिया है। अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों और खुफिया एजेंसी सीआईए ने रूस द्वारा किए गए इन दावों की गहराई से जांच और विश्लेषण किया है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों को मांस्को या पुतिन के किसी भी आवास को निशाना बनाए जाने का कोई ठोस सबूत या निशान नहीं मिला है। खुफिया जानकारी के विश्लेषण के बाद अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें पुतिन की जान को किसी भी तरह का तात्कालिक खतरा होने का कोई सुराग नहीं मिला है। यह रिपोर्ट रूस के उन दावों के विपरीत है जिसमें इस हमले को एक बड़ी साजिश के रूप में पेश किया गया था।

इससे पहले, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा था कि रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि को हुए इस हमले को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह विफल कर दिया। उन्होंने दावा किया कि सभी 91 ड्रोनों को मार गिराया गया और इससे किसी भी तरह का भौतिक नुकसान नहीं हुआ। लावरोव ने चेतावनी दी कि रूस इस आतंकवादी कृत्य के खिलाफ सही समय पर और अपनी सुविधानुसार जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने अपने दावों को पुष्टा करने के लिए एक वीडियो फुटेज भी जारी किया है, जिसमें बर्फ में गिर एक काले रंग के ड्रोन का मलबा, लकड़ी के हिस्से और बिजली के तार दिखाए गए हैं। रूसी अधिकारियों का कहना है कि प्रत्येक ड्रोन लगभग छह किलोे विस्फोटक से लैस था।

इस बीच, रूसी विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जब इस हमले की जानकारी मिली, तो वह बेहद नाराज और स्तब्ध थे। उशाकोव के अनुसार, पुतिन ने स्वयं फोन पर ट्रंप को इस घटना की जानकारी दी थी। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान इस बात पर भी है कि ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा संपादकीय साझा किया है जिसमें रूस पर यूक्रेन में शांति प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

दूसरी ओर, यूक्रेन ने रूस के इन सभी आरोपों को सिर से खारिज कर दिया है। कीव का कहना है कि रूस ने यह मनगढ़ंत कहानी केवल अर्मे-रका और यूक्रेन के बीच संबंधों में तनाव पैदा करने और आगामी शांति वार्ता को पटरी से उतारने के लिए बुनी है।